संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 170
पृष्ठ 8
बुधवार
11 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में टैनिंग से हाथ...

विचार- गेमचेंजर होगी नेपाल में आरएसपी...

खेल- 15 मार्च को बीसीसीआई का नमन...

यूपी कैबिनेट

30 प्रस्तावों को मिली मंजूरी,अब खतौनी से होगा नाम का मिलान

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। 31 प्रस्तावों पर चर्चा हुई, जिनमें से 30 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई, जबकि तीन प्रस्तावों को होल्ड पर रखा गया। बैठक में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। अब किसी भी संपत्ति को बेचने से पहले विक्रेता का नाम खतौनी में मिलान किया जाएगा। यदि नाम अलग पाया जाता है तो रजिस्ट्रेशन विभाग इसकी जांच करेगा। सरकार ने सर्किल रेट पर एक प्रतिशत शुल्क और विकास शुल्क के दो प्रतिशत अतिरिक्त स्टांप शुल्क से जुड़े प्रावधानों में भी बदलाव किया है। पहले यह राशि यूसी जारी होने के बाद निकायों को दी जाती थी, जिसे अब छमाही आधार पर जारी किया जाएगा। परिवहन विभाग से जुड़े प्रस्ताव के तहत सीएम ग्राम परिवहन

योजना 2026 को स्वीकृति दी गई है। योजना के तहत 59,163 ग्राम सभाओं को बस सेवा से जोड़ा जाएगा। जिन 12,200 गांवों में अब तक बस सेवा नहीं थी, वहां भी 28 सीटर बसें चलाई जाएंगी। बस सेवा टैक्स फ्री होगी और निजी क्षेत्र को भी संचालन की अनुमति दी जाएगी।

ग्रामीण बस सेवा योजना के तहत बसों की औसत आयु 15 वर्ष तय की गई है, जबकि संचालन का अनुबंध 10 वर्ष का होगा। योजना के तहत बस सेवा को पहली बार परमिट, अनुबंध और टैक्स से मुक्त रखा जाएगा। सरकार के अनुसार करीब 5000 ऐसे गांव हैं जहां अब तक कभी बस नहीं पहुंची। शुरुआत में हर रूट पर दो बसें चलाई जाएंगी। वहीं मोटर व्हीकल कानून में संशोधन कर केंद्र सरकार के नियमों को अपनाया जाएगा। इसके तहत व्स और न्इमत जैसे एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म को राज्य में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। ड्राइवरों की फिटनेस जांच, मेडिकल टेस्ट और पुलिस वेरिफिकेशन भी जरूरी किया जाएगा।

एग्रीगेटर के लिए आवेदन शुल्क 25 हजार रुपये और लाइसेंस फीस 5 लाख रुपये तय की गई है। लाइसेंस का नवीनीकरण हर पांच साल में 5 हजार रुपये शुल्क के साथ होगा। सरकार खुद का परिवहन ऐप भी विकसित करेगी, जिसमें ड्राइवरों की पूरी जानकारी उपलब्ध रहेगी और उनकी ट्रेनिंग भी कराई जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 22 वर्गमीटर तक के आवास की लागत सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 9 लाख रुपये कर दी गई है। अब 30 वर्गमीटर तक मकान का निर्माण किया जा सकेगा। इसमें 1 लाख रुपये राज्य सरकार और 1.5 लाख रुपये केंद्र सरकार की ओर से सहायता दी जाएगी। सरकार ने कांशीराम आवास योजना के खाली पड़े मकानों की मरम्मत और रंगाई–पुताई कराकर उन्हें दलित परिवारों को देने का फैसला किया है। वहीं सरकारी कर्मचारियों की सेवा नियमावली में संशोधन करते हुए यह अनिवार्य किया गया है कि छह माह के मूल वेतन से अधिक निवेश की जानकारी देनी होगी और हर वर्ष अपनी अचल संपत्ति की घोषणा करनी होगी। इसके अलावा अयोध्या में खेल परिसर के लिए 2500 वर्गमीटर भूमि नगर निगम को हस्तांतरित करने, कई जिलों में समग्र शहरी योजना लागू करने, कानपुर ट्रांस गंगा सिटी के लिए चार लेन पुल बनाने तथा बुंदेलखंड क्षेत्र में बांदा और झांसी के डेयरी संयंत्रों की क्षमता बढ़ाने जैसे प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई।

उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए चिकित्सा प्रतिपूर्ति व्यवस्था में बदलाव का फैसला किया है। अब अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों को भी कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी। इसके साथ ही इस योजना में कर्मचारियों को भी शामिल किया जाएगा, जिससे बड़ी संख्या में लाभार्थियों को फायदा मिलेगा।

रिजिजू का गौरव गोगोई पर पलटवार

आप मेरे छोटे भाई जैसे, पर संसदीय मामलों की बारीकियां समझें

नई दिल्ली,एजेंसी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के आरोपों पर तीखा पलटवार किया है। लोकसभा में गोगोई ने रिजिजू को सदन की कार्यवाही में सबसे बड़ी बाधा डालने वाला बताया था। इसके जवाब में रिजिजू ने मंगलवार को कहा कि विपक्षी सांसद को अपने विचार रखने का पूरा हक है, लेकिन वे मंत्रालय की भूमिका और जिम्मेदारी से अनभिज्ञ हैं। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के प्रस्ताव पर जवाब देते हुए रिजिजू ने कई अहम बातें कहीं। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्य संविधान के नियमों और कानूनों से बंधे हुए हैं। उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। रिजिजू ने कहा कि जब कोई व्यक्ति खुद को सबसे ऊपर समझने लगता

है, तो उसे टोकना जरूरी हो जाता है। गौरव गोगोई के दावों पर रिजिजू ने कहा कि गोगोई तीन बार से संसद सदस्य हैं, लेकिन उन्हें अब तक संसदीय कार्य मंत्रालय की जिम्मेदारियों का पता नहीं है। उन्होंने कहा, गोगोई मेरे छोटे भाई जैसे हैं। लेकिन मंत्रालय के कामकाज पर सवाल उठाने से पहले उन्हें काम करने के तरीके की बारीकियों को सीखना और समझना चाहिए। इससे पहले गौरव गोगोई ने रिजिजू पर हमला करते हुए कहा था कि भविष्य में जब संसद के रिकॉर्ड देखे जाएंगे, तो आंकड़े बताएंगे कि किरेन रिजिजू ऐसे मंत्री थे जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा टोका। रिजिजू ने स्पीकर ओम बिरला को हटाने के लिए विपक्ष के प्रस्ताव की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह सबको पता है कि स्पीकर सत्ताधारी दल से आते हैं, लेकिन पद संभालने के बाद वे सबके हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि स्पीकर से हमेशा निष्पक्ष रहने की उम्मीद की जाती है और ओम बिरला ने इसे बखूबी निभाया है। रिजिजू ने ओम बिरला के कार्यकाल में हुए बड़े सुधारों का जिक्र किया।

सुरक्षा चाहिए तो मुझे वोट दो ममता बनर्जी के वायरल बयान पर भड़की भाजपा

नई दिल्ली,एजेंसी। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के एक सोशल मीडिया वीडियो पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वीडियो में ममता का बयान चिंताजनक और निंदनीय है। पात्रा ने आरोप लगाया कि ममता ने कहा कि अगर वह सत्ता में नहीं रहीं, तो एक विशेष समुदाय राज्य से समाप्त हो सकता है। पात्रा ने इसे पश्चिम बंगाल में बढ़ते हिंसा के संकेत के रूप में बताया और कहा यह मान लेना कि एक पूरा समुदाय राज्य से मिटाया जा सकता है,

बेहद गंभीर है। भाजपा नेता ने इसे अकबरुद्दीन ओवैसी के बयान के समान बताया और कहा कि ममता ने बस उसी भाव को अलग शब्दों में दोहराया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह के बयान न केवल चिंताजनक हैं बल्कि पूरी तरह से निंदनीय भी हैं। गौरतलब ममता बनर्जी के एक वीडियो में कहा क्योंकि मैं सीएम हूं इसलिए तुम सब सुरक्षित हो। अगर तुम मुझे हटाओगे और भाजपा को वोट दोगे तो याद रखना कि एक कम्युनिटी है जो तुम सबको एक सेकंड में खत्म कर देगी, इसलिए अगर तुम सुरक्षित रहना चाहते हो तो मुझे वोट देते रहो। संबित पात्रा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह हाल ही में दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड एआई समिट के दौरान प्रदर्शन के श्आर्किटेक्ट और डिजाइनरश थे। भाजपा ने दावा किया कि इस प्रदर्शन का उद्देश्य भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदा करना और देश की साख को चोट पहुंचाना था।

बोले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार

पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव हमारी प्राथमिकता

कोलकाता,एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि पिछले दो दिनों में चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का विस्तृत आकलन किया है। उन्होंने कहा कि आयोग का उद्देश्य राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं और यहां के लोग शांतिपूर्ण व सहभागी लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि राज्य में मतदाताओं की संख्या फ्रांस और उरुग्वे जैसे देशों के कुल मतदाताओं के बराबर है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि राज्य में करीब 80,000 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से लगभग 61,000 ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था की जाएगी ताकि मतदान प्रक्रिया की निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची शुद्ध हो और सभी योग्य मतदाताओं के नाम सूची में मौजूद हों। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के दौरान सरकारी अधिकारियों का पूर्णतरू निष्पक्ष और गैर–पक्षपाती आचरण बेहद आवश्यक है। सभी एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे पूरी निष्पक्षता के साथ काम करें। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि विधानसभा चुनाव के

चरणों की संख्या राज्य की कानून–व्यवस्था की तैयारियों के आधार पर तय की जाएगी। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने भी एसआईआर पोर्टल में आई तकनीकी बाधाओं पर संज्ञान लेते हुए कहा है कि इन्हें दूर किया जाएगा ताकि भविष्य में ऐसी समस्या न हो।

इस दौरे का प्रमुख उद्देश्य राज्य में चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, स्वतंत्र और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए की जा रही तैयारियों का गहन मूल्यांकन करना है। बैठकों में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा की जा रही है–

सुरक्षा व्यवस्था– केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती और राज्य पुलिस के साथ उनके समन्वय की समीक्षा।

मतदान केंद्रों की व्यवस्था– मतदान केंद्रों की भौतिक स्थिति, वहां आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता और सुरक्षा का आकलन।

लॉजिस्टिक व्यवस्था– चुनाव सामग्री का वितरण, मतदान कर्मियों की तैनाती और अन्य लॉजिस्टिक पहलुओं की योजना।

मतदाता सूची की समीक्षा– मतदाता सूची में कथित तौर पर की गई अनियमितताओं और विसंगतियों से संबंधित विवादों पर भी चर्चा।

राजनीतिक दलों से संवाद– सोमवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में चुनावों को एक या दो चरणों में कराने और मतदाताओं को डराने–धमकाने जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने के सुझाव दिए गए।

चुनाव आयोग के दौरे के साथ ही, विशेष गहन संशोधन के बाद मतदाता सूची में कथित तौर पर की गई मनमानी कटौतियों को लेकर विवाद भी गरमाया हुआ है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस मुद्दे पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर राज्य के अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगाया है, जिससे राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। यह बैठकें चुनाव आयोग की पश्चिम बंगाल की तीन दिवसीय यात्रा का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनावों के लिए राज्य में चुनाव की तैयारियों का समग्र जायजा लेना है। आयोग ने सोमवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी, जिन्होंने चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने में सहयोग का आश्वासन दिया था।

केंद्र के निर्देश के बाद रिफाइनरियों ने बढ़ाया एलपीजी उत्पादनः 10 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू उपभोक्ताओं को रसोई गैस (एलपीजी) की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए देश की तेल रिफाइनरियों ने एलपीजी का उत्पादन करीब 10 प्रतिशत बढ़ा दिया है। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, तेल रिफाइनरियों में एलपीजी उत्पादन लगभग 10 प्रतिशत बढ़ाया गया है और सभी रिफाइनरियां 100 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रही हैं। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद उत्पादन बढ़ाने के इस कदम से संभावित आपूर्ति बाधित होने को लेकर उठ रही चिंताओं को कम करने में मदद मिली है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार ने घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग और अनियमितताओं को रोकने के लिए नए गैस सिलिंडर की बुकिंग के बीच प्रतीक्षा अवधि भी 21 दिनों से बढ़ाकर 25 दिन कर दी है। एलपीजी की आपूर्ति पर

असर पड़ने की आशंका को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में रसोई गैस की संभावित कमी से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई। गुजरात सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर औद्योगिक गैस के उपयोग में 50 फीसदी की कटौती की है। राज्य के ऊर्जा मंत्री ऋषिकेश पटेल ने घरेलू एलपीजी वितरण में कोई बाधा न आने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि राज्य और केंद्र सरकार मिलकर काम कर रही हैं ताकि घरों में खाना पकाने वाली गैस की कमी न हो। सरकार ने घरेलू खपत को प्राथमिकता देने के लिए कुछ औद्योगिक उपयोगों पर प्रतिबंध लगाए हैं। उद्योगों को गैस आपूर्ति में 50 फीसदी की कटौती की गई है। उर्वरक और दूध प्रसंस्करण के लिए गैस आपूर्ति में करीब 40 फीसदी की कटौती है। मंत्री ने राजकोट से वाणिज्यिक गैस सिलिंडरों पर प्रतिबंध की खबरों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक गैस सिलिंडरों पर कोई कटौती या प्रतिबंध नहीं है। एक सरकारी सूत्र ने बताया कि स्थिति की निगरानी और एलपीजी के सही वितरण को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि आवश्यक सेवाएं अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) लागू नहीं किया गया है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि ऊर्जा उपलब्धता के मामले में भारत की स्थिति कई अन्य देशों की तुलना में बेहतर है।अधिकारियों के अनुसार, सरकार देश की ऊर्जा जरूरतों को बिना किसी व्यवधान के पूरा करने के लिए कई देशों के साथ लगातार संपर्क में है।सूत्रों ने बताया कि पहले कुछ चिंताएं जरूर थीं, लेकिन अब स्थिति सामान्य हो गई है और आपूर्ति श्रृंखला सुचारू रूप से काम कर रही है। देशभर की सभी रिफाइनरियां उत्पादन बनाए रखने के लिए पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं।

सदन की मर्यादा बचाने के लिए संकल्प–गौरव गोगोई

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने मंगलवार को कहा कि विपक्ष को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए मजबूर होना पड़ा, ताकि संविधान और संसदीय सदन की गरिमा को सुरक्षित रखा जा सके। गोगोई ने बिरला पर पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि संसद में विपक्ष के नेता को अपने विचार रखने की अनुमति नहीं दी जा रही। असम के जोरहाट से सांसद गोगोई ने बताया कि फरवरी में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर ध न्यवाद प्रस्ताव के दौरान विपक्ष के नेता को लगभग 20 बार रोका गया। उन्होंने कहा ष्स्पीकर ने नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया और जब वह महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात करने की कोशिश कर रहे थे, तो लगातार बाधा डाली गई। गोवोई ने उदाहरण देते हुए बताया कि राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख एम.एम. नरवाने की अप्रकाशित किताब में उठाए गए राजनीतिक हस्तक्षेप और देश की नीति संबंधी मुद्दों पर बात करना चाहा, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं मिली।

कंबाला से जुड़ी याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज, कहा–

सिर्फ खास इलाकों तक ही क्यों रखें संकृति

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आज कर्नाटक में कंबाला के आयोजन को लेकर दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों के अलावा दूसरे हिस्सों में भैंसों की दौड़ का खेल कंबाला आयोजित करने के खिलाफ याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने पूछा कि इसे सिर्फ राज्य के एक खास इलाके तक ही क्यों सीमित रखा जाए। कर्नाटक में नवंबर और मार्च के बीच होने वाली कंबाला दौड़ में भैंसों की एक जोड़ी को हल से बांधा जाता है और एक व्यक्ति उसे नियंत्रित करता है। इस प्रतिस्पर्धा में उन्हें एक कीचड़ से भरे ट्रैक में एक साथ दौड़ाया जाता है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाली टीम जीतती है। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स इंडिया की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कर्नाटक हाई कोर्ट के 14 नवंबर

के आदेश को चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने राज्य को दक्षिण कन्नड़ और उडुपी के दो जिलों के बाहर किसी भी जगह को कंबाला के आयोजन के लिए सूचित करने से रोकने की अर्जी को खारिज कर दिया था।

सुनवाई के दौरान जस्टिस मेहता ने कहा अगर वे राज्य के अलग–अलग हिस्सों में संस्कृति दिखाना चाहते हैं, तो इसमें क्या गलत है? राज्य के दूसरे हिस्सों के लोगों को भी संस्कृतिसे परिचित होने दें। इसे सिर्फ एक खास इलाके तक ही क्यों सीमित रखा जाए? पेटा इंडिया की ओर से पेश वकील ने राज्य द्वारा पहले सुप्रीम कोर्ट में दायर एक हलफनामे का जिक्र किया, जो उस समय कंबाला से जुड़ी याचिकाओं पर विचार कर रहा था। वकील ने कहा कि उस हलफनामे में, राज्य ने कहा था कि यह एक ऐसा खेल है जो कर्नाटक के दो तटीय जिलों में पारंपरिक है। वकील ने तर्क दिया इसका बेंगलुरु की परंपरा और संस्कृति से कोई लेना–देना नहीं है और कहा कि अब, यह कार्यक्रम राज्य की राजधानी के एक मैदान में होगा।

फंदे से लटका मिला मर्चेंट नेवी कर्मी का शव

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर गांव में रविवार की रात मर्चेंट नेवी कर्मी फंदे से लटकता मिला। बताया जा रहा है कि पत्नी से रात में मोबाइल फोन पर बातचीत के दौरान उसने आत्मघाती कदम उठाया है। सोमवार को पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना क्षेत्र पुरुषोत्तमपुर गांव निवासी आदर्श सिंह उर्फ कुलदीप (25) पुत्र श्याम सिंह मर्चेंट नेवी में रसोइया था। मां पुष्पा देवी ने बताया कि एक सप्ताह पहले वह ट्रेनिंग करके घर लौटा था। पिता खेती करते हैं। मां के अनुसार रविवार की रात पत्नी से आदर्श की मोबाइल फोन पर बातचीत हुई थी। इसके बाद मां ने खाना युवक के कमरे में ही रख दिया था।

सोमवार को सुबह जब मां पुष्पा देवी ने दरवाजा खोला तो बेटा फंदे से लटक रहा था। घटना की जानकारी होते ही लोगों की भीड़ लग गई। गर्भवती पत्नी टिकरी स्थित अपने मायके में थी। जानकारी होने पर सभी लोग मौके पर पहुंच गए। मृतक दो भाई और एक बहन में सबसे बड़ा था। थाना अध्यक्ष उतरांव प्रीतम कुमार तिवारी ने बताया कि घरेलू कलह के चलते युवक ने आत्महत्या की है। मामले की जांच की जा रही है।

दुकान से घर लौट रहे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के गहरपुर मलकिया गांव के निकट कपड़े की दुकान चलाने वाले फूलचंद पटेल (38) पुत्र ननकू पटेल की रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फूलचंद पटेल रविवार की शाम दुकान बंद कर अपने घर मऊआइमा के चकश्याम गांव जा रहे थे। रास्ते में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, रास्ते में युवक ने अपनी पत्नी को फोन कर बताया था कि आधे घंटे में घर पहुंच जाऊंगा। रात नौ बजे युवक का फोन उठना ही बंद हो गया। परिजन युवक को खोजने निकले तो वह गहरपुर मलकिया गांव के निकट दुकानदार फूलचंद्र के पुआल के ढेर के पास मिले। शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं था। परिजनों ने उन्हें मऊआइमा सीएचसी ले गए।

जहां डॉक्टरों ने फूलचंद को मृत घोषित कर दिया। चचेरे भाई अखिलेश कुमार ने इसकी सूचना सोरांव पुलिस को दी। सोमवार को भोर में पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। सोमवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद फाफामऊ घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। सोरांव प्रभारी निरीक्षक केशव वर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सवार को बचाने के प्रयास में कार पेड़ से टकराई, सीएचओ घायल

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के नहर कोठी करछना के पास सोमवार को कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) बाल–घायल हो गई। करछना तहसील क्षेत्र के नैनी निवासी गौरी कुमारी मेजा क्षेत्र के कोहड़ार में स्वास्थ्य विभाग में सीएचओ हैं। सोमवार को सुबह निजी कार से ड्यूटी करने कोहड़ार जा रही थी। उसी समय नहर कोठी के पास सामने से अचानक एक बाइक सवार

आ गया। जिसे बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर दूसरे साइड में पेड़ से जा टकराई। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई। जबकि चालक और गौरी कुमारी घायल हो गईं। घटना के बाद लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर करछना पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसीं सीएचओ को निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करछना भेजा। ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर आए दिन हादसा होता रहता है। मार्ग के दोनों तरफ मोड़ होने के कारण ज्यादातर राहगीर अचानक बीच मार्ग पर आ जाते हैं और दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

ईद नजदीक आते ही बाजारों में खरीदारों की बढ़ी भीड़

प्रयागराज। ईद नजदीक आते ही बाजारों में खरीदारों की भीड़ बढ़ गई है। महिलाओं को सबसे अधिक लेडीज सूटों में रोमन ग्लास सूट सबसे अधिक भा रहा है। दुकानदारों ने बताया कि मार्केट में वैसे अनेकों प्रकार के सूट आए हुए हैं। इनमें पंजाबी सलवार, पश्मीना, अनारकली, कढ़ाईदार, चूड़ीदार, शरारा, जॉर्जेट, प्लाजो आदि की भरमार है। दुकानदारों के अनुसार सभी सूट एक

हजार से पांच हजार रुपये तक में बिक रहा है। नगर पंचायत मऊआइमा का सदर बाजार लेडीज मार्केट के लिए मशहूर है। यहां पर सोरांव क्षेत्र सहित आसपास के गांवों तथा प्रतापगढ़ क्षेत्र के दर्जनों गांवों की मुस्लिम महिलाएं शापिंग करने के लिए आती हैं। महिलाओं ने बताया कि यहां सूरत, मुंबई, दिल्ली, कानपुर आदि बडे शहरों से फैंसी सूट सही मूल्य पर मिल जाते हैं। वहीं महिलाओं को चूड़ी, चप्पल कास्मेटिक का सामान भी आसानी से सस्ते दामों पर मिल जाता है।

आशुतोष ब्रह्मचारी पर हमले का मामला:

जीआरपी ने गाजियाबाद से प्रयागराज तक खंगाले 200 सीसीटीवी कैमरे, इनके बयान हुए दर्ज

प्रयागराज। रीवा एक्सप्रेस में आशुतोष ब्रह्मचारी पर हुए हमले के हमलावरों का सुराग नहीं मिला। जीआरपी ने 200 से अधिक सीसीटीवी खंगाले और बयान दर्ज किए, पर कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

रीवा एक्सप्रेस में रविवार को आशुतोष ब्रह्मचारी पर हुए हमले के मामले में हमलावरों की पहचान के लिए प्रयागराज और गाजियाबाद जीआरपी ने गाजियाबाद से लेकर सिराथू और प्रयागराज रेलवे स्टेशन तक लगे करीब 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं। लेकिन, कोई भी हमलावर पकड़ में नहीं आया। जीआरपी ने कोच में यात्रा कर रहे सहयोगियों, अन्य यात्रियों और टीटीई के बयान दर्ज किए हैं। उससे भी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

जीआरपी अधिकारियों के मुताबिक, घटना के बाद सबसे पहले गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म, फुटओवर ब्रिज, एंट्री–एग्जिट गेट और टिकट

काउंटर क्षेत्र में लगे करीब 70 सीसीटीवी कैमरे रविवार देर रात से सोमवार सुबह तक खंगाले गए। यहां जीआरपी गाजियाबाद और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की संयुक्त टीम की मौजूदगी में पड़ताल की गई। इसके बाद कानपुर सेंट्रल कंट्रोल रूम से ट्रेन के प्रमुख स्टेशनों के कैमरों के फुटेज भी निकलवाए गए। वहीं, सिराथू रेलवे स्टेशन पर रविवार देर रात और सोमवार सुबह जीआरपी कौशाम्बी की टीम ने करीब 40 कैमरों के फुटेज खंगाले।

प्रयागराज जंक्शन पर सोमवार शाम तक जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने प्लेटफॉर्म नंबर, वेटिंग एरिया, स्टेशन एंट्री–एग्जिट और पार्किंग में लगे करीब 90 कैमरों की रिकॉर्डिंग देखी। जीआरपी ने बताया कि फुटेज की टाइमलाइन बनाकर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि संदिग्ध हमलावर किस स्टेशन से ट्रेन में चढ़े और घटना के बाद किस स्थान पर उतर सकते हैं।

सीओ जीआरपी प्रयागराज अरुण कुमार पाठक ने बताया कि अब तक हमलावरों का सुराग नहीं लग पाया है। आशुतोष ब्रह्मचारी के साथ यात्रा कर रहे कई लोगों और टीटीई सहित कोच अटेंडेंट के भी बयान दर्ज किए गए हैं। मामले में विवेचक को जल्द ही गाजियाबाद भेजकर अन्य बिंदुओं की छानबीन की जाएगी।

उज्बेकिस्तान में दवा पहुंचाने वाली शिपिंग कंपनी के निदेशक को राहत, मुकदमे की कार्यवाही पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उज्बेकिस्तान में दवा पहुंचाने वाली शिपिंग कंपनी के निदेशक को राहत दी है। धोखाधड़ी व अमानत में खयानत के आरोप में दर्ज मुकदमे की पूरी कार्यवाही पर रोक लगा दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उज्बेकिस्तान में दवा पहुंचाने वाली शिपिंग कंपनी के निदेशक को राहत दी है। धोखाधड़ी व अमानत में खयानत के आरोप में दर्ज मुकदमे की पूरी कार्यवाही पर रोक लगा दी है।

इसके साथ ही विपक्षी पक्ष को नोटिस जारी किया है और उन्हें चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति नंद प्रभा शुक्ला की एकलपीठ ने मुकेश कुमार झा की अर्जी पर दिया है।

याची एक शिपिंग कंपनी के निदेशक हैं। शिकायतकर्ता दवा बनाने वाली कंपनी के कर्मचारी विकास शर्मा ने गौतमबुद्ध नगर के बीटा–2 थाने में याची के

खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोप लगाया है कि याची की कंपनी के साथ दवाइयां उज्बेकिस्तान पहुंचाने के लिए अनुबंध हुआ था। पैसे का भुगतान कर दिया था। इसके बाद भी समय पर दवाइयां नहीं भेजी गईं और दवाइयां खराब हो गईं। ट्रायल कोर्ट ने आरोप पत्र का संज्ञान लेकर समन आदेश जारी किया है। याची ने समन आदेश सहित मुकदमे की पूरी कार्यवाही को रद्द करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में अर्जी दायर की है।

याची अधिवक्ता शिवांग ने दलील दी कि याची पर एक ही घटना के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 420 और 406 (नए कानून बीएनएस के तहत धारा 318(4) और 316(2)) के तहत आरोप लगाए गए हैं। कानून के स्थापित सिद्धांतों और सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसलों श्शदिल्ली रेस क्लब बनाम उत्तर प्रदेश राज्यश्श के अनुसार धोखाधड़ी (धारा 420) और अमानत में खयानत (धारा 406) के आरोप एक ही तथ्यों के आधार पर एक साथ नहीं लगाए जा सकते।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए विपक्षी पक्ष को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही ट्रायल कोर्ट में लंबित मुकदमे की पूरी कार्यवाही पर रोक लगा दी है। अगली सुनवाई 17 अप्रैल 2026 को तय की गई है।

एसडीएम कोर्ट चलने पर भड़के अधिवक्ता, विरोध–प्रदर्शन से कामकाज ठप

प्रयागराज। तहसील में एसडीएम और तहसीलदार न्यायालय के बहिष्कार को लेकर अधिवक्ताओं और प्रशासन के बीच टकराव का असर वादियों पर भी पड़ रहा है। सोमवार को एसडीएम के न्यायालय में बैठकर मुकदमों की सुनवाई शुरू करते ही अधिवक्ता नाराज हो गए और बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय पांडेय, महामंत्री शिवेंद्र सिंह के साथ पूर्व अध्यक्ष चिंतामणि शुक्ला और पूर्व महामंत्री हंसराज सिंह के साथ सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता न्यायालय के बाहर प्रदर्शन करने लगे।

बताया जा रहा है कि बीते एक महीने से तहसील के अधिवक्ता एसडीएम और तहसीलदार न्यायालय का बहिष्कार किए हुए हैं। सोमवार को जैसे ही एसडीएम भारती मीणा न्यायालय में मामलों की सुनवाई करने लगीं, बड़ी संख्या में अधिवक्ता वहां पहुंच गए। उन्होंने न्यायालय के सामने नारेबाजी करते हुए कामकाज बंद करा दिया और चेतावनी दी की जब तक समस्याओं का निराकरण नहीं किया जाता तब तक कोर्ट नहीं चलने देंगे।

एसडीएम भारती मीणा ने बताया कि अधिवक्ताओं की ओर से अब तक उनकी मांगों के

संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

इस संबंध में अधिवक्ताओं से वार्ता भी की जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकल सका है। वहीं तहसीलदार बृजेश कुमार की ओर से आए दिन अधिवक्ताओं के साथ अमर्यादित व्यवहार करने को लेकर भी उनमें नाराजगी है। जिसको लेकर डीएम से भी शिकायत की गई थी और उनसे वार्ता भी हुई थी। उन्होंने समस्याओं के निराकरण का भरोसा भी दिलाया था, लेकिन अभी तक कोई निराकरण नहीं निकल सका।

न्यायालय का कामकाज प्रभावित होने से फरियादियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दूर–दराज से आने वाले लोगों को समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा है। लगातार कामकाज बाधित रहने से मुकदमों की संख्या भी बढ़ती जा रही है।

तहसील कोरांव के अधिवक्ताओं ने सोमवार को कार्य बहिष्कार करते हुए पुलिस विरोधी नारेबाजी की। मामला बढ़ता देख अधिवक्ताओं के बीच पहुंचे तहसीलदार विनय बरनवाल ने उन्हें समझाने का बहुत प्रयास किया परंतु अधिवक्ता अपनी जिद पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि जब तक पूर्व अध्यक्ष ललन कुमार तिवारी के ऊपर हुए जानलेवा हमले के तीनों आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर जेल नहीं भेजेगी, हड़ताल जारी रहेगी।

बीते 3 मार्च को तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत दर्शनी कटरा के अधिवक्ता एवं बार एसोसिएशन तहसील कोरांव के पूर्व अध्यक्ष ललन कुमार तिवारी पर हमला कर दिया गया था। सूचना पाकर इंस्पेक्टर राकेश कुमार वर्मा तहसील कोरांव पहुंचे और बार सदस्यों से वार्ता की। मौके पर मंत्री लक्ष्मीकांत शुक्ल, विनीत मिश्रा, कृष्ण चंद्र मिश्रा, पवनेश पांडेय, आशुतोष तिवारी और रजनीश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

मौसम बदलने से अस्पतालों में मरीजों की बढ़ी भीड़

प्रयागराज। मौसम बदलने से बीमारियां बढ़ गई है। इलाके के निजी तथा सरकारी अस्पताल में मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़िहार की ओपीडी 326 रही। इनमें ज्यादातर मरीज सर्दी, जुकाम, बुखार, त्वचा तथा पेट दर्द के पाए गए। बताया गया कि मौसम बदलने से निजी तथा सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ी है। कई दिनों तक मरीजों में वायरल बुखार के साथ पेट दर्द की बीमारी के लक्षण पाए जा रहे हैं। बताते हैं कि स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ निजी अस्पतालों में इलाज के मरीजों पर अधिक पैसे लिए जा रहे हैं। कौड़िहार, नवाबगंज, हथिगंहा बाजार के साज–सज्जा युक्त निजी अस्पताल इसके उदाहरण हैं। जहां मरीजों को कई दिनों तक भर्ती करने के बाद डिस्चार्ज करने पर लंबा बिल थमा दिया जाता है। आए दिन निजी अस्पतालों में दवाओं के बिल भुगतान को लेकर विवाद की स्थिति बनी रहती है। इलाके में कुत्ते काटने के मरीजों की संख्या बढ़ी है। सोमवार को 100 से अधिक मरीजों को रेबीज के टीके लगाए गए।

कूटरचित बैंक ड्राफ्ट देने पर चार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। घूरपुर थाने में कूटरचित बैंक ड्राफ्ट दिए जाने की शिकायत पर पुलिस ने तीन नामजद व एक अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इरादतगंज गांव निवासी शिव नारायण यादव ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि गिरीश कुमार सिंह निवासी ग्राम शम्भूचक पोस्ट टप्पा चौरासी थाना मेजा, चन्द्रभान सिंह उर्फ डॉक्टर ददरी तालुक नैनी, शिलवंत यादव निवासी अमिलिया और अज्ञात ने नौ लाख रुपये का कूटरचित बैंक ड्राफ्ट दिया था। शिकायतकर्ता जब बैंक पहुंचा तो कर्मियों ने यह कहकर वापस कर दिया कि बैंक ड्राफ्ट का खाता बंद है। पीड़ित जब दिए गए कूटरचित ड्राफ्ट के बैंक शाखा पहुंचा तो संबंधित प्रबंधक ने बताया कि उक्त बैंक ड्राफ्ट कूटरचित है। पीड़ित ने बताया कि पहले आरोपियों ने आठ लाख रुपये का चेक दिया था। खाते में नकदी नहीं होने पर उसने कोर्ट में शिव नारायण बनाम गीता सिंह पत्नी गिरीश कुमार सिंह के नाम परिवाद दाखिल किया। इस पर आरोपी के खिलाफ न्यायालय ने समन जारी किया गया। आरोप है कि इसके बाद आरोपी अपने साथियों और वकील के साथ बाबा ढाबा पर पहुंचे और समझौते के लिए शिकायतकर्ता को बुलाया। बाद में उन्होंने आठ लाख रुपये का चेक लेते हुए नौ लाख का कूटरचित बैंक ड्राफ्ट दिया था। मामले में पुलिस ने आरोपी गिरीश कुमार सिंह, चन्द्रभान सिंह उर्फ डॉक्टर, शिलवंत यादव व एक अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन वर्ष बाद भी नहीं बनी अधूरी सड़क

प्रयागराज। क्षेत्र के ओठगी पुलिया से बघला गांव तक जाने वाली सड़क का निर्माण तीन वर्ष पूर्व किया गया था। ग्रामीणों की माने तो 28 साल बाद इस सड़क का नवीनीकरण किया गया था। परन्तु मंदारिया पहाड़ से गोलहैया संपर्क मार्ग तक सड़क को ठेकेदार ने अधूरा छोड़ दिया था। वर्तमान में तीन वर्ष बाद भी सड़क अधूरी है। ग्रामीण शिवेंद्र पांडेय, अतुल तिवारी, संजयधर द्विवेदी, अमर सिंह, माखन पांडेय, अजय सिंह, मनपूरण सिंह ने एसडीएम बारा से शिकायत कर सड़क बनाए जाने की मांग की है।

चार वर्षों के बाद भी मलाक बलऊ में जल जीवन मिशन योजना धरातल से कोसों दूर

प्रयागराज। विकासखंड शृंग्वेरपुर धाम के मलाक बलऊ गांव में जल जीवन मिशन के तहत करीब चार करोड़ रुपये की लागत से संचालित की जा रही पेयजल योजना चार वर्षों बाद भी धरातल पर पूरी तरह मूर्त रूप नहीं ले पाई है। योजना की धीमी प्रगति और अधूरे कार्यों को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। बिछिया, शिवलाल का पूरा, मलकिया, सूबेदार का पूरा, ककरहिया, गुड्डइया, डिहवा समेत सात पुरवों वाले इस बड़े गांव के लोगों को घर–घर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस परियोजना की शुरुआत की गई थी। योजना के तहत पानी की टंकी निर्माण, पाइपलाइन बिछाने और प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन वर्षों बीत जाने के बावजूद कई स्थानों पर पाइपलाइन का कार्य अधूरा है, जबकि कुछ जगहों पर पाइप डालने के बाद सड़कें भी ठीक नहीं कराई गई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि योजना की शुरुआत बड़े दावों के साथ की गई थी, लेकिन जिम्मेदार विभाग और ठेकेदार की उदासीनता के चलते कार्य लगातार लटकता जा रहा है। जबकि योजना का उद्देश्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना था। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द योजना को पूरा कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्य पूरा नहीं कराया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं संबंधित विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शेष कार्य को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने कहा कि गांवों में बनाई जा रही पानी की टंकियों को लेकर कार्य में शिथिलता को लेकर बड़ी शिकायत है। इसकी जलशक्ति मंत्री से शिकायत की जाएगी।

चार वर्षों से बनाई जा रही जल जीवन मिशन की टंकी तो बन गई मगर तमाम कार्य अभी भी बाकी हैं। जिम्मेदार अधिकारियों से बात करने पर बस यही कहते हैं, बहुत जल्द पूरी हो जाएगी। –संदीप पटेल ग्राम प्रधान, मलाक बलऊ, शृंग्वेरपुर धाम

पेयजल योजना में लगी कार्यदायी संस्था के अधिकारी जानबूझकर बेपरवाही बरत रहे हैं। अन्यथा पड़ोस के कई गांवों में पानी की आपूर्ति शुरू हो गई है।– राजेंद्र सिंह, अपना दल नेता, मलाक बलऊ

टंकी का पानी तो नहीं नसीब हुआ लेकिन सड़कें अलबत्ता बर्बाद हो गईं। इससे आवागमन भी दुश्वार हो गया। –राकेश साहू, बिछिया मलाक बलऊ।

श्रमिकों ने मांगों को लेकर भरी हुंकार, आंदोलन की दी चेतावनी

प्रयागराज। मेजा कताई मिल के श्रमिकों ने मांगों को लेकर मेजारोड के बद्री नाथ तिवारी इंटर कॉलेज में हुंकार भरी। श्रमिकों ने कहा कि मांग पूरी न होने पर आंदोलन किया जाएगा। यूपी स्टेट यार्न कंपनी के प्रतिनिधि सदस्य रघुनंन प्रसाद गुप्ता ने कहा कि मेजा कताई मिल बंद होने के साथ–साथ बिल्डिंग को भी जमींदोज कर दिया गया लेकिन आज तक श्रमिकों के बकाया वेतन का भुगतान नहीं किया गया। आरोप है कि अन्य कई मांगों को पूरा नहीं किया जा सका। श्रमिकों ने कहा कि जल्द मांग पूरी नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान रामकिशन, बाबू सिंह पाल, नंद लाल, बजरंगी आदि श्रमिक शामिल रहे।

गर्मी की शुरुआत में ही पस्त हुई कोहड़ार की बिजली

प्रयागराज। गर्मी ने अभी ठीक से दस्तक भी नहीं दी है कि क्षेत्र की बिजली व्यवस्था बेदम होने लगी है। कोहड़ार बाजार में सोमवार सुबह से ही बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई। इससे व्यापारियों और ग्रामीणों में आक्रोश है। व्यापारियों का कहना है कि सुबह से ही लो–वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। इससे न तो पंखे चल रहे हैं और न ही पानी की मोटर। लो–वोल्टेज के कारण इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जलने का खतरा पैदा हो गया है। दुकानदारों का कहना है कि व्यापार पूरी तरह से ठप है, लेकिन विभाग को इसकी कोई चिंता नहीं है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि फॉल्ट की सूचना देने के लिए जब विभागीय कर्मचारियों को फोन किया गया, तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। मौके पर कोई भी लाइनमैन या जिम्मेदार कर्मचारी नजर नहीं आ रहा है।

जैविक खेती अपनाने पर किसानों को किया गया जागरूक

प्रयागराज। नमामि गंगे योजना के तहत सोमवार को ब्लॉक क्षेत्र के बभनी हेटार स्थित प्रेमा गेस्ट हाउस में जैविक कृषक मेला एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में कृषि वैज्ञानिक सर्वेंद्र कुमार ने किसानों को जैविक खेती की तकनीक, इसके लाभ तथा रासायनिक खेती के विकल्प के रूप में जैविक पद्धति अपनाने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जैविक खेती से भूमि की उर्वरता बढ़ती है और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है।

लोकचिन्तन पर विद्वान करेंगे मंथन

प्रयागराज। सामाजिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह के आवाहन पर जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्वकुलपति एवं पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष इविवि

प्रो. रामसेवक दुबे, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली के प्रो. रामनाथ झा, बी.एच.यू. के प्रो. करुणानन्द मुखोपाध्याय संयुक्त अतिथि के रूप में संगोष्ठी का उद्घाटन करेंगे। दिनांक 12 से 14 मार्च तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश भर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से लगभग दो सौ आमंत्रित विद्वान चतुर्दशविद्या में लोकचिन्तन विषय पर मंथन करेंगे। संयोजक मण्डल के सदस्य संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. विवेक कुमार सिंह, संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, सहसंयोजक डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. प्रिया झा, डॉ. पूजा सिंह ने संगोष्ठी संबंधी तैयारी कर कार्यक्रम रुपरेखा सुनिश्चित कर ली है।

यूपी जल्द बनेगा एडवेंचर टूरिज्म और नव ऊर्जा का केंद्र

लखनऊ, (संवाददाता)। गर्मी का मौसम शुरू होते ही लोग छुट्टियों में कुछ नया, रोमांचक तलाशते हैं। इसी बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश पर्यटन ने टूरिज्म के नए आयाम गढ़ने की दिशा में एक बड़ा और महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। राज्य को रोमांच, नवाचार और अनुभव आधारित पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनाने के लक्ष्य के साथ पर्यटन विभाग ने एडवेंचर टूरिज्म को नई पहचान देने की पहल शुरू की है। उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति–2022 के तहत प्रदेशभर में साहसिक पर्यटन परियोजनाओं में निवेश के लिए व्यक्तियों, संस्थाओं , उद्यमियों को आमंत्रित किया है, ताकि राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर एडवेंचर टूरिज्म के सशक्त गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा सके। इस पहल से न केवल गर्मियों में पर्यटन गतिविधियों को रफ्तार मिलेगी बल्कि रोजगार, निवेश और उद्यमिता के नए अवसर पैदा होंगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्राज्य में पर्यटन को महज दर्शनीय स्थलों तक सीमित न रखते हुए हम उसे रोमांचक अनुभवों से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देकर प्रदेश की विविध भौगोलिक और प्राकृतिक संभावनाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाई जाएगी। पर्यटकों की रुचि और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भूमि आधारित, जल आधारित और वायु आधारित एडवेंचर टूरिज्म इन तीन प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया गया है। पर्यटन विभाग द्वारा रोमांच और उत्साह के नए आयाम खोलते हुए भूमि आधारित साहसिक पर्यटन लैंड बेस्ड एडवेंचर टूरिज्म को एक सशक्त पहचान के रूप में विकसित किया जा रहा है।

प्रदेश सरकार के लिए जनता का विश्वास सर्वोपरि–केशव

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एटा के मुख्य विकास अधिकारी नागेंद्र नारायण मिश्रा द्वारा रिश्वत मांगे जाने से संबंधित वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। शासन द्वारा मामले की प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया आरोपों की गंभीरता को देखते हुए नागेंद्र नारायण मिश्रा के विरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक अनुशासन एवं अपील नियमावली के नियम–7 के अंतर्गत विभागीय कार्यवाही प्रारंभ करते हुए निलंबित की कार्यवाही की गई है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर कार्य कर रही है और किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार अथवा अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि जनपदों में तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी सरकार की नीतियों और योजनाओं को पारदर्शिता एवं ईमानदारी के साथ लागू करें, जिससे आम जनता को लाभ समय पर मिल सके।श्री मौर्य ने कहा कि कोई अधिकारी या कर्मचारी अपने पद का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। सरकार का उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी, जवाबदेह, जनहितकारी बनाना है।

होली विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए होली विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैं :-

गाड़ी सं. 01143/01144 लोकमान्य तिलक (ट.) - दानापुर (प्रतिदिन) विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं.01143 लोकमान्य तिलक (ट.)-दानापुर			गाड़ी सं.01144 दानापुर-लोकमान्य तिलक (ट.)	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	10:30	लोकमान्य तिलक (ट.) ↑	07:45	—
08:38	08:40	मानिकपुर	08:55	08:57
10:55	11:00	प्रयागराज छिवकी	05:45	05:50
18:45	—	↓ दानापुर	—	21:30

● गाड़ी सं. 01143: लोकमान्य तिलक (ट.) से (प्रतिदिन) दिनांक 10.03.2026, से 31.03.2026 तक ● गाड़ी सं. 01144: दानापुर से (प्रतिदिन) दिनांक 11.03.2026, से 01.04.2026 तक

गाड़ी संरचना: वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, स्लीपर श्रेणी-09, सामान्य श्रेणी-04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-06

गाड़ी सं. 01449/01450 पुणे - दानापुर (प्रतिदिन) विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं.01449 पुणे - दानापुर			गाड़ी सं.01450 दानापुर - पुणे	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	15:30	पुणे ↑	18:15	—
15:48	15:50	मानिकपुर	16:45	16:47
17:45	17:50	प्रयागराज छिवकी	13:15	13:20
02:45	—	↓ दानापुर	—	05:00

● गाड़ी सं. 01449: पुणे से (प्रतिदिन) दिनांक 10.03.2026, से 31.03.2026 तक
● गाड़ी सं. 01450: दानापुर से (प्रतिदिन) दिनांक 12.03.2026, से 02.04.2026 तक

गाड़ी संरचना: वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, स्लीपर श्रेणी-06, सामान्य श्रेणी-04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-05

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 536/26(D)

वैश्विक हिन्दी महासभा के बैनर तले सम्पन्न हुआ होली मिलन एवं कवि गोष्ठी, मुशायरा

रंग और गुलाल से बही काव्य सरिता

प्रयागराज। वैश्विक हिन्दी महासभा के बैनर तले डॉ. अजय मालवीय 'बहार' के राजरूपपुर स्थित आवास पर एक होली मिलन समारोह के अंतर्गत भव्य कवि गोष्ठी एवं मुशायरे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डाक्टर शम्भूनाथ त्रिपाठी अंशुल जी ने की। जबकि मुख्य अतिथि नीतू मालवीय और विशिष्ट अतिथि मुक्तक सम्राट रामकैलाश पाल प्रयागी, पार्षद मिथलेश सिंह रहे। कार्यक्रम की शुरुआत डाक्टर वीरेंद्र कुमार तिवारी की सरस्वती वंदना से हुई।अतिथियों ने सरस्वती के सामने दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पार्पण किया। संचालन कविद्वय डॉ. अजय मालवीय 'बहार' और पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने की।

कार्यक्रम में अनेक प्रतिष्ठित कवियों एवं साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को होली के रंग और साहित्यिक रस से सराबोर कर दिया।

इस अवसर पर सर्वश्री शम्भूनाथ त्रिपाठी अंशुल, डॉ. अजय मालवीय 'बहार', पं. राकेश मालवीय 'मुस्कान', शम्भुनाथ श्रीवास्तव, मुक्तक सम्राट रामकैलाश पाल 'प्रयागी', डॉ. वीरेंद्र तिवारी, योगेन्द्र कुमार मिश्र 'विश्वबंधु', गंगा प्रसाद त्रिपाठी, डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय तथा असलम आदिल ने काव्य पाठ कर श्रोताओं की खूब सराहना प्राप्त की।

कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यप्रेमियों ने कवियों की रचनाओं का भरपूर आनंद लिया और एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर राजरूपपुर ने पार्षद मिथिलेश सिंह, नीतू मालवीय, पूर्णिमा मालवीय, राखी मालवीय, रजत मालवीय, संजय श्रीवास्तव सहित अनेक साहित्य प्रेमी भी उपस्थित रहे। लोगों ने काव्य साहित्य का भरपूर आनंद लिया।

अंत में संयोजक प्रकाशक व उपन्यासकार रंजन पांडेय ने सभी अतिथियों, कवियों और उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा होली की शुभकामनाएँ दीं।

किसान बर्बादी के कगार पर... भाजपा सरकार पूरी तरह लापरवाह होकर बैठी है : अखिलेश

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बाजार में आलू के गिरते दाम को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आलू के दाम गिरने से किसान बर्बादी के कगार पर पहुंच गए हैं, लेकिन किसान और खेती विरोधी भाजपा सरकार पूरी तरह लापरवाह होकर बैठी है और किसानों की मांगों की अनदेखी कर रही है। यादव ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, भाजपा को सिफ अपनी राजनीतिक सत्ता से मतलब है। भाजपा के नेता चुनाव प्रचार के लिए तो उपलब्ध रहते हैं, लेकिन किसानों की परेशानी और दिक्कतों के लिए उनके पास समय नहीं है।श उन्होंने आरोप लगाया, श भाजपा का पूरा खेल ही यही है कि पैदावार के दाम इतने कम करवा दो कि किसानों की लागत तक न निकले। वो थक–हार कर खेतीबाड़ी का काम ही छोड़ दें और अपनी जमीनें भाजपा के समर्थक अमीरों को कौड़ियों के दाम बेचने पर मजबूर हो जाएं। फिर ये भाजपाई पैसेवाले, किसान को उसके अपने खेत में ही मालिक से मजदूर बना दें।

सपा अध्यक्ष ने कहा भाजपाइयों की साजशि ही ये है कि वो किसानों की जमीन हड़प कर बड़े स्तर पर खेती करके खाद्यान्न और फसलों की पैदावार को अपने हाथों में ले लें और फिर मनमानी कीमत जनता से वसूलें। इसीलिए भाजपा कभी भू–अधि ाग्रहण बिल लाती है, कभी तीन कृषि काले कघनून या फिर भारत की खेती–कारोबार के लिए प्राणघातक अमेरिकी डील करती है।

अखिलेश यादव ने कहा, यही हाल रहा तो वो दिन दूर नहीं जब कि आज के खेत का मालिक किसान, कल को अपने ही खेत की पैदावार को खरीदने पर मजबूर हो जाएगा। भाजपा दल नहीं दलाल है।

भाकपा का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन

लखनऊ, (संवाददाता)। एफ्टीन फाइल्स में भारतीय राजनेताओ के नाम होने के कारण ब्लेकमेल हो रहे नेता ईरान में जनता के नरसंहार का विरोध नहीं कर पा रहे हैं तथा अमरीका उन्हें कठपुतली की तरह नचा रहा है। यह बात भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के बाराबंकी में प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए राज्य परिषद रणधीर सिंह सुमन ने कही ।ईरानी जनता के नरसंहार के खिलाफ पार्टी दारा आयोजित प्रदर्शनकारियों को सम्बोधित करते हुए पार्टी सचिव बृजमोहन वर्मा ने कहा कि अंग्रेजों की गुलामी से आजादी के बाद नेता में संविधान की व्यवस्था द्वारा जनता द्वारा चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकारें बनी और देश के विकास एवं जनता की खुशहाली के प्रयास हुए और साथ में भारत की सरकारों की विदेश नीति एवं कूट–नीति के द्वारा विश्व में भारत को मान–सम्मान और शांति एवं अहिंसा का दूत माना जाता रहा है।राज्य परिषद सदस्य परवीन कुमार ने कहा कि देश को मजबूरन कई युद्ध भी लड़ने पड़े, और सोवियत संघ जैसे मित्र देशों ने भारत का खुलकर साथ दिया, जिसके चलते पूर्व प्रधानमंत्री स्व इंदिरा गाँधी के नेतृत्व में देश ने पकिस्तान के दो टुकड़े किये, ज्ञात हो तब अमेरिका पाकिस्तान की मदद कर रहा था। उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अमेरिका को कड़ा जवाब दिया था। प्रदर्शन कारिंदे में रामनरेश वर्मा श्याम सिंह एडवोकेट संतोष कुमार राजेन्द्र बहादुर सिंह आलोक कुमार आदित्य वर्मा रीना मोर्य आफरीन अंकुल वर्मा, प्रेम चंद वर्मा,करन राजपूत, धर्मेन्द्र शर्मा, सर्वेश यादव,राम नरेश वर्मा, दीपक वर्मा, सच्चिदानंद श्रीवास्तव,जितेन्द्र श्रीवास्तव, मो. कासिफ, पवन वर्मा, राजकुमार वर्मा,लवकुश वर्मा, दीपक शर्मा,सुन्दर लाल सोनी, संदीप तिवारी,संदीप वर्मा आदि लोग प्रमुख रूप से शामिल रहे। ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजा गया है।

अब यूपी के हर गांव तक पहुंचेगी बस

परमिट व टैक्स का झंझट नहीं, ग्राम परिवहन योजना में अनुबंधित बसें-दयाशंकर

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में कैबिनेट बैठक हुई।मीडिया से मुखातिब वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में 31 प्रस्ताव आए, जिसमें से 30 प्रस्तावों पर कैबिनेट ने स्वीकृति दी। योगी सरकार ने ग्रामीणों के हित को ध्यान में रखते हुए बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट ने 'मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना–2026' को स्वीकृति दी। इस योजना के माध्यम से अब उत्तर प्रदेश के हर गांव तक बस पहुंचेगी।पत्रकार वार्ता में मौजूद परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना–2026 के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी तक 12,200 गांवों तक बसें नहीं पहुंच रही थीं, लेकिन नई पॉलिसी के तहत यूपी की सभी 59,163 ग्राम सभाओं तक बसें पहुंचेंगी। इन बसों को परमिट व टैक्स से मुक्त रखा गया है। इससे प्रदेश की बड़ी ग्रामीण आबादी लाभान्वित होगी। ये बसें चलाने की अनुमति निजी लोगों को

मिलेगी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी गठित होगी, जिसमें सीडीओ, एसपी, एआरटीओ, एआरएम सदस्य होंगे। ये बसें रात में गांव में ही रुकेंगी। सुबह ब्लॉक व तहसील होते हुए ये बसें सुबह 10 बजे तक जनपद मुख्यालय तक पहुंचेंगी। इस सेवा का लाभ विद्यार्थियों के अलावा कचहरी, ऑफिस या अपना उत्पाद शहर में बेचने जाने वाले लोगों को भी मिलेगा। कई गांवों में ऐसी सड़कें हैं, जहां बड़ी बसें टर्न होने में परेशानी होती है। 12,200 में से 5000 ऐसे गांव हैं, जहां बड़ी बसें टर्न नहीं हो सकतीं। इसलिए ये छोटी बसें होंगी, जिनकी अधिकतम लंबाई सात मीटर और अधिकतम सीट क्षमता 28 होगी। सुबह 10 से शाम चार बजे तक इन बसों को डायवर्ट करेंगे। इसके बाद ये बसें दूरी के हिसाब से अधिकतम शाम 8 बजे तक गांव में पहुंच जाएंगी। इन बसों के ड्राइवर, कंडक्टर व क्लीनर आसपास गांव के लोग ही होंगे, जिससे रात में गांव में रुकने और सुबह आने में उन्हें परेशानी नहीं होगी। इन बसों की औसत आयु 15 वर्ष रहेगी, लेकिन पहले 10 साल के लिए इन्हें परिचालन की इजाजत दी जाएगी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी स्थानीय स्तर पर किराया निर्धारण करेगी। इसका टिकट भी सस्ता रहेगा। इन्हें परमिट व टैक्स की आवश्यक्ता नहीं होगी। इससे बस चलाने वालों को लाभ होगा। सरकार का उद्देश्य आमजन को बेहतर सुविधा मुहैया कराना है। इस योजना के तहत प्रत्येक आवेदक जिस ब्लॉक के लिए उसने आवेदन किया है,को समस्त ग्राम पंचायत,रूट पर अपने विवेकानुसार वाहन संचालन करने तथा फेरों की संख्या का अधिकार होगा। बस संचालक ब्लॉक की प्रत्येक ग्राम पंचायत को प्रतिदिन कम से कम दो बार वाहन की सेवा प्रदान करेगा।

प्रेम कहानी

(छप्पय)

कल तक थे अन्जान उन्हीं की देख बयानी।
बोल रहे हैं चक्षु हृदय की प्रेम कहानी।
मुखड़े का श्रृंगार प्रकृति जिनका करती है।
सावन के ही साथ सदा फागुन रचती है।
रीति सुहानी प्रीत की हर पल का संगीत बन।
सुखद सलोनी ख्वाब में आती है वह मीत बन।।

सच्चा है वह प्रेम समर्पण जिसकी थाती।
मौन शब्द से लिखे प्यार की पहली पाती।
दिल का प्रीत लगाव नयन की भाषा बनके।
तोड़ रहा प्रतिबंध बंध में खुद ही बँध के।
एक हुई है भावना मौसम भी अनुकूल है।
प्यार समर्पण कर रहा करता प्यार कुबूल है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

ध्यान योग कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। सीएमपी महाविद्यालय के आइक्यूएसी आईसीसी और सेंटर फॉर वेल बीइंग के संयुक्त तत्वावधान में कल एक ध्यान योग का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रशिक्षिका डॉ अलका दास एवं ज्योति मिश्रा ने पारस्परिक संवाद के साथ ही ध्यान योग को व्यावहारिक रूप में शिक्षकों के द्वारा बहुत ही सहज

रूप में करवाया। कार्यक्रम में हिंदी संस्कृत रसायन विज्ञान शिक्षा शास्त्र वनस्पति शास्त्र विभागों के अनेक वरिष्ठतम शिक्षकों प्रो नीता सिंन्हा, प्रो सरोज सिंह, आभा त्रिपाठी, दीनानाथ, अर्चना पांडे, बबीता अग्रवाल,लक्ष्मी श्रीवास्तव, दीप्ति विष्णु व शोध छात्र उपस्थित रहे। संयोजिका प्रोफेसर सरिता श्रीवास्तव एवं डॉ रुचिका वर्मा ने अतिथि स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन किया।

सीएमपी डिग्री में सात दिवसीय विशेष शिविर की शुरुआत

प्रयागराज। आज सीएमपी डिग्री कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई संख्या 26,27,28,29,30,31,32 एवं 71 की सात दिवसीय विशेष शिविर की शुभारम्भ हुआ ,यह विशेष शिविर 16.03.26 तक चलेगा। आज के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर राजाराम यादव रहे।

राजा राम यादव जी ने राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने ने स्वयंसेवकों को बताया कि

कैसे राष्ट्रीय सेवा योजना से उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो सकता है।

साथ ही साथ विद्यार्थियों को उनकी सामाजिक भूमिका के निर्वहन का भी आह्वाहन किया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में स्वयंसेवकों द्वारा विविध प्रकार की सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के तृतीय सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर राजेश गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। प्रोफेसर गर्ग ने राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य एवं उससे जुड़े हुए विभिन्न गतिविधियों के बारे में व्यापक जानकारी एवं अनुभव स्वयं सेवकों के साथ साझा किया।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम के सभी कार्यक्रम अधिकारीगण उपस्थित रहे, कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्रीय सेवा योजन के लक्ष्य गीत से हुआ तथा समापन राष्ट्रगान के द्वारा किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे

L.No.: 220-E/HS Dated: 07.03.2026

हाउस आफिसर की नियुक्ति के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू

केंद्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज में हाउस सर्जन के पांच (5) पद हैं। प्रत्येक निम्नलिखित विभागों में एक हाउस सर्जन का पद स्वीकृत है।

1.	सामान्य चिकित्सा विभाग (Medicine)	01
2.	सार्जिक शल्य चिकित्सा विभाग (General Surgery)	01
3.	प्रसूति एवं स्त्री रोग (Obstetrics and Gynae).	01
4.	बाल चिकित्सा एवं शिशु रोग (Paediatrics)	01
5.	अस्थि रोग विभाग (Orthopaedics)	01

हाउस सर्जनो को दिया जाने वाला पारिश्रमिक का भुगतान IRMM के Para 243 (2) (1) निर्देशों के तहत और उत्तर प्रदेश के सरकारी चिकित्सालयों में कार्यरत मेडिकल रेजिडेंट (प्रथम वर्ष) हेतु निर्धारित वेतन के समान होगा। आवश्यकतानुसार हाउस ऑफिसर के रिक्त पदों के लिए साक्षात्कार चिकित्सा निदेशक, केंद्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज के कार्यालय में (रिक्त पद होने पर) प्रत्येक महीने के प्रथम कार्य दिवस को 16:00 बजे किया जाएगा। यदि महीने का प्रथम दिन अवकाश होने पर साक्षात्कार अगले कार्य दिवस पर आयोजित किया जाएगा। साक्षात्कार की सूचना केंद्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के सूचना पटल, मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य कार्यालय, मेडिकल कॉलेज के छात्रावास, सिविल अस्पताल एवं उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज की वेबसाइट www.ncr.indianrailway.gov.in पर भी उपलब्ध रहेगी। 532/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.......

कनाडा के साथ यूरेनियम डील भारत के लिए कैसे मददगार होगी

अब तक की कहानी ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में प्रयासरत भारत ने 2 मार्च को कनाडा की कंपनी कैमेको के साथ 2.6 अरब कनाडियन डॉलर का समझौता किया । इस समझौते के तहत भारत को 2027 से 2035 के बीच लगभग 10,000 टन यूरेनियम की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। भारत के पास यूरेनियम का कितना भंडार रू भारत में यूरेनियम के घरेलू और आयातित भंडार दोनों मौजूद हैं। घरेलू भंडार में 4.2–4.3 लाख टन अयस्क है, जो झारखंड के जादुगुडा और तुरमडीह तथा आंध्र प्रदेश के तुम्मलपल्ले की प्रमुख खानों में फैला हुआ है। इस अयस्क से निकाले जा सकने वाले यूरेनियम की मात्रा 76,000–92,000 टन होने का अनुमान है। अयस्क और धातु के बीच परिमाण का अंतर इसलिए है क्योंकि भारतीय अयस्क 'निम्न श्रेणी' का है (0.02–0.45 प्रतिशत सांद्रता), जबकि कनाडा में उच्च श्रेणी का अयस्क पाया जाता है (भारतीय अयस्क से 10–100 गुना अधिक समृद्ध)। मात्रा के हिसाब से कैमेको विश्व के 3 सबसे बड़े यूरेनियम उत्पादकों में से एक है। यूरेनियम अयस्क का आयात करना इसे निकालने की तुलना में सस्ता है लेकिन इसका उपयोग कानूनी तौर पर परमाणु हथियारों में नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि भारत घरेलू स्तर पर भी अयस्क का खनन करता है। कैमेको के साथ यह समझौता भारत–कनाडा नागरिक परमाणु सहयोग समझौते (एन.सी.ए.) के अंतर्गत आता है। इस पर 2010 में हस्ताक्षर किए गए थे, परमाणु आपूर्तिकर्त्ता समूह द्वारा भारत को 'क्लीन' छूट जारी करने के 2 साल बाद, जो बदले में भारत और अमरीका के बीच 123वें परमाणु समझौते के कारण संभव हुई थी। दूसरी ओर, एन.सी.ए. की इस बात के लिए भी आलोचना की गई है कि वह भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम को परोक्ष रूप से समर्थन दे रहा है, भारत नागरिक उपयोग के लिए जितना अधिक यूरेनियम आयात करता है, उतना ही अधिक घरेलू यूरेनियम वह सैन्य उपयोग के लिए सुनिश्चित कर सकता है। भारत में वर्तमान में लगभग 9 गीगावाट की उत्पादन क्षमता वाले 24 परमाणु रिएक्टर कार्यरत हैं। 700 मैगावाट क्षमता वाले प्रैशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर (पी.एच.डब्ल्यू.आर.) वर्तमान में भारत की कुल बिजली का 6.7 गीगावाट, यानी लगभग 3 प्रतिशत उत्पादन करते हैं और इनमें ईंधन के रूप में यूरेनियम का उपयोग होता है। सरकार 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को 100 गीगावाट तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विरोध प्रदर्शनों के कारण इस योगदान को बढ़ाने के पिछले प्रयास बाधित हुए हैं। ट्रॉम्बे में स्थित 'ध्रुवा' जैसे अनुसंधान रिएक्टरों में भी यूरेनियम की महत्वपूर्ण मात्रा का उपयोग टैक्नीशियम–99एम और आयोडीन–131 जैसे चिकित्सा समस्थानिकों के उत्पादन और उन्नत सामग्री विज्ञान अनुसंधान के लिए किया जाता है। 2025–26 के केंद्रीय बजट में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई पीढ़ी के छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपए आबंटित किए, जो आमतौर पर 3.5 प्रतिशत समृद्ध यूरेनियम का उपयोग करते हैं। घरेलू यूरेनियम का उपयोग परमाणु युद्धक हथियारों (जिनकी संख्या वर्तमान में लगभग 170 होने का अनुमान है) और परमाणु ऊर्जा से चलने वाली आई.एन.एस. अरिहंत श्रेणी की पनडुब्बियों के लिए भी किया जाता है। भारत वर्तमान में तीन चरणों वाले कार्यक्रम के पहले चरण से दूसरे चरण में प्रवेश कर रहा है। पहले चरण में, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पी.एच.आर.) बिजली उत्पादन के लिए प्राकृतिक यूरेनियम–235 का उपयोग करेंगे और प्लूटोनियम–239 उप–उत्पाद के रूप में प्राप्त होगा। दूसरे चरण में, फास्ट ब्रीडर रिएक्टर बिजली उत्पादन, यूरेनियम–233 और अतिरिक्त प्लूटोनियम–239 के मिश्रित ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करेंगे। (इन रिएक्टरों को फास्ट ब्रीडर रिएक्टर इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये खपत से अधिक ईंधन का उत्पादन करते हैं।) कलपक्कम में स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पी.एफ.बी.आर.) वर्तमान में चालू होने के उन्नत चरण में है। अंततः, उन्नत भारी जल रिएक्टर ईंधन के रूप में प्लूटोनियम–239 और थोरियम–232 का उपयोग करेंगे, जिससे बिजली और यूरेनियम–233 का उत्पादन होगा। होमी जे. भाभा ने इस तीन–चरणीय कार्यक्रम की परिकल्पना इस तथ्य का लाभ उठाने के लिए की थी कि भारत में विश्व के थोरियम भंडार का 20–25 प्रतिशत हिस्सा मौजूद है। हालांकि, इस कार्यक्रम में कई बार देरी हुई और लागत में भी भारी वृद्धि हुई है। डी.ए.ई. के पूर्व अध्यक्ष अनिल काकोडकर ने बताया है कि एक फास्ट ब्रीडर रिएक्टर द्वारा दूसरे रिएक्टर को शुरू करने के लिए पर्याप्त ईंधन उत्पादन करने में लगने वाला समय (डबलिंग टाइम) वर्तमान में 15–20 वर्ष है। इस प्रकार, 100 गीगावाट बिजली उत्पादन के लिए भारत को कई डबलिंग चक्रों से गुजरना होगा, जो यूरेनियम की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे कई समझौतों का कारण हो सकता है।

गेमचेंजर होगी नेपाल में आरएसपी की शानदार जीत

नित्य चक्रवर्ती

नेपाल में 5 मार्च को हुए आम चुनावों में जेनजेड समर्थित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की शानदार जीत न सिर्फ इस छोटे से हिमालयी देश के राजनीतिक इतिहास में बल्कि दक्षिण एशिया की बदलती राजनीति में भी एक गेमचेंजर है। नेपाल अब दक्षिण एशिया का दूसरा देश है जो सितंबर 2025 के दूसरे हफ्ते में बगावत के जरिए एक पारंपरिक राजनीतिक पार्टी की सरकार को हटाने वाले युवा आंदोलन के समर्थन वाली सरकार की स्थापना देख रहा है। सिर्फ दक्षिण एशिया के एक और देश, श्रीलंका में, सितंबर 2024 में कमोबेश ऐसा ही नजारा देखने को मिला था, जब नेशनल पीपल्स पावर (एनपीपी) के नेता ने श्रीलंका की पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों को हराकर राष्ट्रपति चुनाव जीता था, जिन्होंने दशकों तक इस द्वीप देश पर राज किया था। 2023 के श्रीलंका चुनाव, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ 2022 में छात्रों और लोगों के विद्रोह में सत्ताधारी सरकार के हटने के बाद हुए थे। दक्षिण एशिया के एक और देश, बांग्लादेश में, छात्रों के विद्रोह की वजह से अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार चली गई, लेकिन इस साल 12 फरवरी को हुए राष्ट्रीय चुनावों में युवाओं के नेतृत्व वाली कोई सरकार नहीं बनी। इसके विपरीत हसीना सरकार को हटाने के लिए विद्रोह के समर्थकों द्वारा बनाई गई पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा और पारंपरिक पार्टी बीएनपी को दो–तिहाई मतों से जीत मिली। इसलिए बांग्लादेश परिवर्तन के बस से चूक गया जबकि श्रीलंका और नेपाल सफल रहे।

नेपाल चुनावों के अंतिम नतीजे अभी नहीं आए हैं, लेकिन रुझानों से पता चलता है कि आरएसपी कुल 165 सीटों में से 100 सीटें पार करने वाली है, जिन पर सीधे चुनाव हुए थे। दूसरी पार्टियां गगन थापा के नेतृत्व वाली नेपाल कांग्रेस, पूर्व प्रधानमंत्री केपीएस ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन(यूएमएल)और प्रचंड के नेतृत्व वाली नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) दो अंकों को छूने के लिए संघर्ष कर रही हैं। संकेत हैं कि आरएसपी, किसी दूसरी पार्टी पर निर्भर हुए बिना, अपने दम पर नई सरकार बना पाएगी। पिछले दो दशकों के संसदीय लोकतंत्र में अब तक नेपाल में किसी भी राजनीतिक पार्टी के पास अकेले बहुमत नहीं रहने का रूझान यह रहा है। सरकार चलाने के लिए चुनाव के बाद गठबंधन बनाया गया था। सहयोगी कई बार बदले, जिससे मंत्रिमंडल गिर गया और फिर सत्ता में बने रहने के लिए एक नया गठबंधन बना। यह रूझान 2026 के चुनाव से बंद हो रहा है। आरएसपी नेपाल की सबसे नई राजनीतिक पार्टियों में से एक है जो 2026 के चुनाव में मैदान में उतरी। आरएसपी की स्थापना 2022 में चुनाव से पहले हुई थी। पार्टी ने 131 चुनाव क्षेत्रों में चुनाव लड़ा और 10.7 प्रतिशत वोट हासिल किए, जिसमें सीधे चुनाव में 7 सीटें और समानुपातिक प्रतिनिधित्व के तहत 13 सीटें जीतीं। पार्टी के प्रमुख बाबा लामचाने हैं, जो एक मीडिया मालिक हैं। काठमांडू के पूर्व मेयर बालेंद्र शाह बाद में आरएसपी में शामिल हुए और 2026 में पूर्व प्रधानमंत्री के पीएस ओली को हराकर चुनाव जीते। वह इतने लोकप्रिय हैं कि उन्हें आरएसपी सरकार का अगला प्रधानमंत्री बनने के लिए चुना जा रहा है। वह नेपाल सरकार की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की, शाह और जेनजेड आन्दोलन के वरीय नेताओं के करीबी हैं।

बालेंद्र शाह ने जेनजेड के संरक्षक के तौर पर काम किया। असल में, एक समय पर जेनजेड के अपनी पार्टी बनाने पर भी कुछ चर्चा हुई थी, लेकिन आखिर में, वे शाह और आरएसपी के साथ आ गए।

नेपाल में, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के सरकारी आदेश के विरोध में जेनजेड ने स्कूली छात्रों के साथ मिलकर आंदोलन शुरू किया था। फिर यह आंदोलन सत्ताधारी केपीएस ओली सरकार और सभी स्थापित राजनीतिक पार्टियों के पूरे विरोध में बदल गया। सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं लेकिन नेपाली सेना ने सावधानी बरती। स्थिति काबू से बाहर होने के बाद, नेपाली सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री ओली को पद छोड़ने के लिए कहा। उन्होंने और उनकी सरकार ने इस्तीफा दे दिया। सेना प्रमुख ने जेनजेड नेताओं और सिविल सोसाइटी नेताओं से सलाह करके पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनाने में मदद की। नेपाल की संसद के निचले सदन में 275 सीटें हैं। इसमें से 165 सीटें सीधे चुनाव के लिए हैं और बाकी 110 सीटें समानुपातिक प्रतिनिधित्व से भरी जाएंगी। नेपाल में सभी बड़ी पार्टियां सभी सीटों पर चुनाव लड़ती हैं और चुनाव के बाद जब उनकी ताकत का पता चलता है, तो पार्टियां गठबंधन करती हैं।

इसी तरह, हटाए गए प्रधानमंत्री 73 साल के केपीएस ओली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइडमार्क्सिस्टलेनिनिस्ट) सीपीआईएन (यूएमएल) का नेतृत्व कर रहे हैं। सितंबर में हटाए जाने से पहले वह नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन में थे। एक और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल, जिन्हें प्रचंड के नाम से जाना जाता है, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख हैं। वह दूसरे कम्युनिस्ट गुटों को अपने साथ लाने में कामयाब रहे हैं। वह ओली के लिए मुख्य चुनौती देने वाले बनकर उभरे हैं।जहां दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों ने अपने पुराने नेताओं को बनाए रखा है, वहीं देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी नेपाली कांग्रेस ने जनुआ में एक युवा गगन थापा को अपना नया नेता चुना है। इस साल 49 साल के लोकप्रिय नेता ने 79 साल के पुराने शेर बहादुर देउबा की जगह ली है, जो 2006 के बाद लोकतंत्र शुरू होने के समय से पिछले दो दशकों में अलग–अलग गठबंधनों में पांच बार प्रधानमंत्री रहे। 35 साल के बालेंद्र शाह एक इंजीनियर और रैपर हैं। काठमांडू के मेयर के तौर पर अपने समय में उन्होंने बहुत अच्छी छवि बनाई। उन्हें भ्रष्टाचार की प्रथा के खिलाफ लड़ने वाले के तौर पर जाना जाता है।

उन्होंने आरएसपी के आस–पास कुछ सिविल राइट्स एक्टिविस्ट इकट्ठा किए हैं जो, अगर वह प्रधानमंत्री बनते हैं तो, उनके सलाहकार हो सकते हैं। बालेंद्र कुछ भारत–विरोधी टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं लेकिन वह एक समझदार इंसान हैं और विदेशियों के प्रति दुर्भावना से ग्रस्त नहीं हैं। उन्होंने एक इंडियन इंस्टीट्यूट से इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर किया है। उन्हें भारत–नेपाल सम्बंधों की अच्छी समझ है। यह देखा जाएगा कि नेपाल में नई सरकार के समय में द्विपक्षीय संबंध कैसे आगे बढ़ते हैं।

बजट सत्र का शेष हिस्सा प्रधानमंत्री के लिए और भारी

शकील अख्तर

प्रधानमंत्री मोदी के लिए संसद के बजट सत्र का पहला हिस्सा बहुत मुश्किल था। लेकिन दूसरा हिस्सा उससे भी ज्यादा मुश्किल होगा यह उन्होंने नहीं सोचा था। सोमवार 9 मार्च से दूसरा हिस्सा शुरू हो रहा है। विपक्ष जोश में है। पहले हिस्से के दौरान अमेरिका के साथ डील पर मोदी कुछ नहीं बोल सके। इसके अलावा उनके सबसे बड़े मुद्दे राष्ट्रवाद पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व थल सेना अध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवाणे की किताब के जरिए बड़ा हमला कर दिया। राहुल ने कहा कि जब चीनी टैंक अपनी पैदल सेना के साथ पूर्वी लद्दाख में हमारी सीमा में घुस रहे थे तो मोदी उन्हें रोकने का आदेश देने में असमर्थ साबित हुए। चीनी सीमा पर बिना प्रधानमंत्री से पूछे कोई कार्रवाई करने से मना कर रखा था। थल सेना अध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से लेकर विदेश मंत्री सुरक्षा सलाहकार सबसे फोन करके, हाट लाइन पर कहते रहे कि पूछिए क्या करना है? करीब ढाई घंटे तक कुछ नहीं बताने के बाद आखिरी में प्रधानमंत्री का जवाब आया जो उचित समझो वह करो! देश में कमजोरी छुपाने के लिए यह मुहावरा बन गया। देश की सुरक्षा से समझौता! मगर प्रधानमंत्री ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। किया, सिर्फ यह कि लोकसभा में जहां उन्हें राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देना था वहां आए ही नहीं। लोकसभा अध्यक्ष से कहलवा दिया कि विपक्ष की महिला सांसदों से खतरा! देश की सुरक्षा से समझौता और महिला सांसदों से डर! संसदीय इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव बिना प्रधानमंत्री या सदन के नेता के जवाब दिए पास करना पड़ा। अभी राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू कह रही हैं कि बंगाल जाने पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी (विपक्ष) ने उनका अपमान किया! भूल गईं कि अपमान तो एक महीने पहले प्रधानमंत्री ने उनके अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब न देकर किया था! लेकिन विपक्ष ने उस मामले में राष्ट्रपति का नाम जुड़ा होने के कारण अभिभाषण को मुद्दा नहीं बनाया और उसे पारित हो जाने दिया। सोचिए कि विपक्ष अगर उसे पास करने से इनकार कर देता तो राष्ट्रपति का कितना अपमान होता? मगर विपक्ष ने खुद को केवल प्रधानमंत्री तक ही सीमित रखा।प्रधानमंत्री के लिए बजट सत्र की शुरूआत ही मुश्किलों के साथ हुई। बजट में तो कुछ आम आदमी के लिए था ही नहीं। मगर अमेरिका ने बजट पेश होने के अगले दिन ही डील की घोषणा करके अपने यहां से बिना किसी शुल्क (टैरिफ) के जो कृषि उत्पाद भारत भेजे जाने हैं उसकी लिस्ट जारी कर दी। प्रधानमंत्री मोदी वादे कर रहे थे कि भारतीय बाजार विदेशों के कृषि उत्पाद के लिए नहीं खोला जाएगा। और यहां अमेरिका ने कह दिया कि उसके कृषि उत्पाद भारत जाएंगे भी और मोदी सरकार उन पर कोई टैरिफ भी नहीं लेगी। नेता प्रतिपक्ष राहुल ने इसे भारत के किसानों के साथ विश्वासघात बताया। डील पर मोदी बहुत बुरी तरह घिर गए। मगर यहां भी कोई जवाब नहीं दे पाए। राहुल गांधी ने लोकसभा में ही एपस्टीन फाइल का नाम लेकर यह और कह दिया कि उसकी वजह से ट्रंप हमारे प्रधानमंत्री का मुंह बंद किए हुए है। नहीं तो भारत का कोई भी प्रधानमंत्री भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह करने वाली ऐसी डील नहीं करता। साथ ही यह भी कहा कि ट्रंप के एक हाथ में एपस्टीन फाइल है जिससे वह एक तरफ से गर्दन पकड़े है तो दूसरे हाथ में अडानी के क्रिमिनल मामलों के केस हैं इससे दूसरी तरफ से गर्दन दबा रहा है। न प्रधानमंत्री और न अडानी इन स्पष्ट आरोपों का जवाब दे पाए। और अब बजट सत्र का दूसरा हिस्सा आ गया। राहुल फिर लोकसभा में होंगे और जैसा कि उनका दावा है और वह हर बार सही साबित हो रहा है कि प्रधानमंत्री सदन में मेरे सामने नहीं आ सकते। अब जब अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमला कर दिया है भारत की सारी तेल और गैस की आपूर्ति रुक गई है। और अमेरिका बहुत दया दिखाकर हमें 30 दिन के लिए रूस से तेल खरीदने की छूट दे रहा है तब संसद के बजट सत्र का दूसरा हिस्सा शुरू हो रहा है। मोदी जो हर मामले में बोलते हैं अमेरिका के मामले में एक शब्द भी नहीं बोल पा रहे हैं। पूरी तरह मौन हैं। बदनाम तो किया था सोच समझ कर बोलने वाले विद्वान प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को मौन मनमोहन बोल कर। मगर खुद तो केवल मौन ही नहीं हुए। ट्रंप के सामने हर मामले में मौन रहकर सहमति प्रकट करते हुए और दिख रहे हैं। अमेरिका ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की हत्या कर दी। लेकिन 6 दिन तक मोदी सरकार कोई प्रतिक्रिया तक व्यक्त नहीं कर पाई। लेकिन फिर जब कांग्रेस ने इसकी निंदा की। सोनिया और राहुल बोले तो भारत के विदेश सचिव ने ईरान दूतावास जाकर वहां शोक पुस्तिका में श्रद्धांजलि लिखी। अमेरिका का इतना डर। और यह डर अब सर्वव्यापी हो गया। डर भी छूत की बीमारी की तरह होता है। एक के होते ही तेजी से फैलने लगता है। सब में तो नहीं फैलता। जैसे राहुल पर डर का कोई असर नहीं है। मगर यह बात सबके लिए नहीं कही जा सकती। अभी सबने देख लिया कि नीतीश कुमार जिन्हें लोग प्रधानमंत्री मटेरियल बता रहे थे वे टिन पत्तर वाले मटेरियल निकले। ऐसे डरे, दबे कि मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने को तैयार हो गए। खुद से लिखकर अपना मजाक उड़वा लिया कि राज्यसभा नहीं देखी थी वहां जाने की इच्छा है। पचासों उनके राज्यसभा में खड़े होकर बोले जाने वाले जवाब होंगे, दूरदर्शन के पास वीडियो होंगे कि जब वे केन्द्र सरकार में मंत्री थे कितनी बार राज्यसभा जाना होता था। नीतीश कुमार शायद भूल गए कि मंत्री दोनों सदनों में जा सकता है। जाता है। सदस्य वे लोकसभा के बने थे। मगर मंत्री दोनों सदनों में जवाबदेह होता है। जाना पड़ता है। जैसे मीडिया अब मोदी के मौन पर मौन है। वैसे ही नीतीश की बाडी लेंग्वेज पर भी। यूपीए के टाइम में कांग्रेस के नेताओं की बाडी लेंग्वेंज ही मीडिया पढ़ता रहता था। मगर अब यह विद्या विस्मृत हो गई है। नीतीश की तो बाडी लेंग्वेंज के साथ मानसिक अवस्था पर भी बात करना जरूरी थी। मगर सारा मीडिया जिसमें बिहार के कई योग्य पत्रकार भी शामिल हैं इस मामले में कुछ नहीं बता रहे।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

ऐसे भी कुछ लोग हैं, सच्चाई से दूर।
दिखते जो संसार में, अहंकार से चूर।।
अहंकार से चूर, आदमी नीचे गिरता।
मिले उसे कब लक्ष्य, अँधेरों से बस घिरता।।
कहती रचना आज, सफलता मिलती कैसे।
सच्चाई से दूर, लोग जो होते ऐसे।।

धीरज जिसके पास में, खुशियों से भरपूर।
हरदम रोता वो दिखे, अहंकार से चूर।।
अहंकार से चूर, अकेला जग में रहता।
टूटे सब संबंध, दंभ में हरदम बहता।।
कहती रचना आज, खिले कीचड़ में नीरज।
सच्चा वो इंसान, पास में जिसके धीरज।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

अमरीका की कूटनीति नहीं दादागिरी!

विनीत नारायण

आज दुनिया में हर ओर युद्ध, तबाही और अराजकता का दौर है। विकास की गति रुक रही है। अनिश्चितता का वातावरण है। अनेक देशों के नेता ही मवालियों की तरह बर्ताव कर रहे हैं। जबकि विश्व के लोग हमेशा शांति और विकास चाहते हैं। इस उठा–पटक में अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सबसे आगे हैं। ट्रम्प ही क्यों, अमरीका की तो फितरत ही रही है कि कोई बहाना ढूंढ कर कमजोर देशों को दबाना और उनके संसाधनों पर कब्जा करना। हाल ही में सोशल मीडिया पर ⁄ दावा360 से एक पोस्ट काफी वायरल हुई, जिसमें लिखा है कि ''प्रिय दुनिया, क्या तुम अमरीका और उसके सहयोगियों द्वारा झूठ बोलने से थक नहीं गए हो? क्या तुम उस साम्राज्य से थक नहीं गए हो, जो खून और मौत की तलाश में नहीं रुकता? अमरीका या उसके सहयोगी कभी किसी बात पर सच्चे रहे हैं? दुनिया कब इनके झूठ से ऊब जाएगी? अब तो हमें पता होना चाहिए कि वैश्विक अशांति, मौत, अराजकता और विनाश के जिम्मेदार कौन हैं? जो दुनिया की स्थिरता के खिलाफ हैं? जो विश्व शांति के विचार से डरते हैं? तुम्हारी चुप्पी सहयोग है! अमरीका वैश्विक मुसीबत पैदा करने वाला है। मौत और विनाश की मशीन! अमरीकी साम्राज्य की तानाशाही के खिलाफ बोलो!!!'' यह पोस्ट न केवल अमरीका की ऐतिहासिक गलतियों को उजागर करती है बल्कि दुनिया को जगाने का प्रयास भी करती है। आज, जब हम वेनेजुएला, क्यूबा और ईरान जैसे देशों में अमरीकी हस्तक्षेप की नई लहर देख रहे हैं, यह स्पष्ट हो गया है कि अमरीका के फैसले गलत साबित हो चुके हैं। इन युद्धों ने न केवल लाखों जानें लीं, बल्कि दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। अमरीका की इन गलतियों से यह पता चलता है कि वैश्विक समुदाय अब युद्धों से कितना ऊब चुका है? अमरीका की विदेश नीति का इतिहास झूठ, हस्तक्षेप और युद्धों से भरा पड़ा है। 1950 के दशक से शुरू करें तो कोरियाई युद्ध (1950–1953) में अमरीका ने उत्तर कोरिया के आक्रमण का बहाना बनाकर हस्तक्षेप किया लेकिन वास्तविकता यह थी कि यह शीत युद्ध की रणनीति का हिस्सा था। लाखों कोरियाई मारे गए लेकिन क्या अमरीका की जीत हुई? नहीं, यह युद्ध आज भी कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव का कारण बना हुआ है। इसी तरह, 1954 में ग्वाटेमाला में अमरीका ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फैंका, क्योंकि वहां की भूमि सुधार नीतियां अमरीकी कंपनियों को पसंद नहीं आईं। ग्वाटेमाला आज भी गरीबी और हिंसा से जूझ रहा है। 1950–60 के दशक से अमरीका के झूठ की फेहरिस्त लंबी है। इंडोनेशिया (1958) में सी.आई.ए. ने विद्रोहियों को समर्थन दिया लेकिन असफल रहा। क्यूबा (1961) में 'बे ऑफ पिग्स' हमला एक बड़ी असफलता थी, जहां अमरीका ने फिदेल कास्त्रो को हटाने की कोशिश की लेकिन खुद की किरकिरी हुई। वियतनाम युद्ध (1961–1975) तो अमरीकी इतिहास का सबसे काला अध्याय है। अमरीका ने 'टोंकिन की खाड़ी घटना' को बहाना बनाकर युद्ध शुरू किया, जो बाद में झूठ साबित हुआ। 58,000 अमरीकी सैनिक और लाखों वियतनामी मारे गए। अमरीका हारकर लौटा, और वियतनाम आज एक मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश है। लाओस (1964–1973) और कंबोडिया (1969–1970) में गुप्त बमबारी ने लाखों लोगों को मार डाला और खमेर रूज जैसे आतंक को जन्म दिया। कांगो (1964) में अमरीका ने वहां प्रधानमंत्री पैट्रिस लुमुम्बा की हत्या में भूमिका निभाई, जो अफ्रीका की आजादी के प्रतीक थे। डोमिनिकन रिपब्लिक (1965) में हस्तक्षेप ने लोकतंत्र को कुचला। 1980 के दशक में भी यह सिलसिला जारी रहा। ग्रेनाडा (1983) में अमरीका ने मैडिकल छात्रों की सुरक्षा का बहाना बनाकर आक्रमण किया लेकिन यह छोटे देश पर साम्राज्यवादी कब्जा था। लेबनान (1983–1984) में अमरीकी सैनिकों की मौत हुई लेकिन कोई स्थायी शांति नहीं आई। लीबिया (1986) में गद्दाफी पर हमला, ईरान (1987–1988) में नौसेना संघर्ष, पनामा (1989) में नोरिएगा को हटाना–ये सभी फैसले अमरीका की ताकत दिखाने के लिए थे लेकिन उन्होंने क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ाई।

इराक के खिलाफ 1991 का गल्फ वॉर, 1998 की बमबारी और 2003 का आक्रमण 'महाविनाश के हथियारों' के झूठ पर आधारित था। सद्दाम हुसैन को हटाया गया लेकिन इराक आज भी अराजकता में डूबा है, आई.एस.आई.एस. जैसे समूह पैदा हुए। सोमालिया (1992–1994, 2007–वर्तमान) में अमरीकी हस्तक्षेप ने समुद्री डकैती और आतंकवाद बढ़ाया। बोस्निया (1994–1995) में नाटो हमले, सूडान (1998) में दूतावास बमबारी, अफगानिस्तान (1998, 2001) में तालिबान के खिलाफ युद्ध–ये सभी अमरीका की 'आतंकवाद विरोधी' नीति के नाम पर थे, लेकिन अफगानिस्तान से 2021 की शर्मनाक वापसी ने साबित किया कि 20 साल का युद्ध व्यर्थ था। यूगोस्लाविया (1999) में नाटो बमबारी ने कोसोवो को अलग किया, लेकिन जातीय तनाव आज भी हैं। यमन (2002–वर्तमान) में ड्रोन हमलों ने नागरिकों को मार डाला, पाकिस्तान (2004) में भी यही हुआ। सीरिया (2014) में आई.एस.आई.एस. के खिलाफ हस्तक्षेप ने देश को बर्बाद कर दिया। लीबिया (2011) में गद्दाफी को हटाने के बाद देश गृहयुद्ध में फंस गया। और अब 2026 में वेनेजुएला, क्यूबा और ईरान पर झूठ। वेनेजुएला में अमरीका ने दावा किया कि मादुरो तानाशाह है, लेकिन यह तेल संसाधनों पर कब्जे की कोशिश है। क्यूबा पर दशकों से प्रतिबंध, लेकिन 2026 में नए आरोप लगाकर दबाव बढ़ाया जा रहा है। ईरान पर परमाणु कार्यक्रम के बहाने हमले की धमकी, जबकि ईरान शांति समझौते चाहता है। ये सभी फैसले गलत साबित हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट्स बताती हैं कि युद्धों से करोड़ों लोग विस्थापित हुए, अर्थव्यवस्थाएं चरमरा गईं। यूक्रेन–रूस संघर्ष और इसराईल–फिलिस्तीन विवाद में अमरीका की भूमिका ने दिखाया कि वह शांति दलाल नहीं, बल्कि युद्ध उकसाने वाला है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमरीका के देश अब चीन और रूस जैसे भागीदारों की ओर मुड़ रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि ये देश शांति और विकास पर जोर देते हैं। कोरोना महामारी और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों ने साबित किया कि दुनिया को सहयोग चाहिए, न कि संघर्ष।

शादी समारोह में ब्लू ट्विनिंग कर पहुंचे ऐश्वर्या-अभिषेक, अंबानी फैमिली संग सलमान के गाने पर किया डांस

> एक तस्वीर में ओरी के साथ ऐश्वर्या और अभिषेक सेल्फी के लिए पोज देते दिखाई दे रहे हैं। वहीं एक और तस्वीर में अभिषेक अपनी बेटी आराध्या बच्चन के साथ नजर आए, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया। इस शादी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन बॉलीवुड के चर्चित कपल्स में से एक हैं, जो अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। पिछले दिनों तक खबरें चली थीं कि ऐश्वर्या–अभिषेक की लाइफ में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। दोनों जल्द ही तलाक लेने जा रहे थे, लेकिन इन सब अफवाहों को कपल ने हमेशा एक साथ स्पॉट होकर सिरे से खारिज किया। अलग होने की अफवाहों के बीच दोनों कई जगह एक साथ स्पॉट हुए, जिसे देख ट्रोलर्स की बोलती बंद हो गईं। वहीं, अब एक बार फिर ऐश्वर्या–अभिषेक को एक शादी फंक्शन में भी साथ देखा गया, जहां दोनों अपनी ट्विनिंग से सबका दिल जीतते नजर आए। दरअसल, ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन हाल ही में अपनी बेटी संग मुंबई में आयोजित एक भव्य शादी समारोह में शामिल हुए, जहां उनकी मौजूदगी ने पूरे इवेंट की रौनक बढ़ा दी। यह शादी बिजनेसमैन मुदित दानी और अनन्या दानी की थी, जिसमें कई अन्य सेलिब्रेटीज भी शामिल हुए। 7 मार्च को हुए इस समारोह की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। शादी में अभिषेक और ऐश्वर्या का स्टाइलिश लुक काफी चर्चा में रहा। दोनों ने शिमरी नेवी ब्लू कलर के आउटफिट पहने, जिसमें वे बेहद आकर्षक लगे। इस खास मौके पर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी ने भी कई तस्वीरें और वीडियो अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किए, जिनमें वह अभिषेक और ऐश्वर्या के साथ नजर आए। एक तस्वीर में ओरी के साथ ऐश्वर्या और अभिषेक सेल्फी के लिए पोज देते दिखाई दे रहे हैं। वहीं एक और तस्वीर में अभिषेक अपनी बेटी आराध्या बच्चन के साथ नजर आए, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया। इस शादी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय स्टेज पर डांस करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दोनों अंबानी परिवार के साथ सलमान खान के मशहूर गाने 'सलाम–ए–इश्क' पर थिरकते नजर आ रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिषेक बच्चन जल्द ही कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। वह फिल्म 'किंग' में दिखाई देंगे, जिसमें शाहरुख खान, सुहाना खान, दीपिका पादुकोण और रानी मुखर्जी जैसे बड़े सितारे भी शामिल हैं। इसके अलावा वह फिल्म 'राजा शिवाजी' में भी नजर आएंगे, जिसमें एक्टर रितेश देशमुख मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।वहीं ऐश्वर्या राय बच्चन की बात करें तो उन्होंने फिलहाल अपनी अगली फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि उनके फैंस को उनकी अगली स्क्रीन अपीयरेंस का बेसब्री से इंतजार है।

यश राज फिल्म्स ने 'अल्फा' की थिएट्रिकल रिलीज डेट का किया ऐलान

यश राज फिल्म्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर अल्फा की थिएट्रिकल रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। आलिया भट्ट अभिनीत यह फिल्म अब 10 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस घोषणा के साथ ही यश राज फिल्म्स, आलिया भट्ट और शर्वरी ने सोशल मीडिया पर एक बिल्कुल नया टीजर पोस्टर भी साझा किया। इस पोस्टर में आलिया भट्ट का एक नया और बेहद दमदार एक्शन अवतार दिखाई दे रहा है, जिसमें वह चोटों और कट के निशानों से भरी हुई नजर आ रही हैं मानो किसी खूनखराबे वाली भिड़ंत के बाद की स्थिति हो। अल्फा' में आलिया भट्ट के साथ हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की उभरती स्टार शर्वरी नजर आएंगी। यह एक जबरदस्त एक्शन थ्रिलर है, जिसमें अनिल कपूर और बॉबी देओल भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में आलिया और शर्वरी का आमना–सामना बॉबी देओल से होने वाला है, जहां यह दोनों एक क्रूर और तीव्र टकराव में दिखाई देंगी। यह फिल्म आलिया भट्ट की यश राज फिल्म्स के साथ पहली फिल्म है। साथ ही यह भारत की पहली ऐसी महिला–प्रधान पूर्ण एक्शन फिल्म है, जिसमें आलिया और शर्वरी मिलकर ऐसे एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी, जैसा दर्शकों ने अब तक किसी अभिनेत्री को बड़े पर्दे पर करते नहीं देखा होगा।'अल्फा' का निर्देशन शिव रवैल ने किया है, जिन्होंने इससे पहले यश राज फिल्म्स की वैश्विक स्तर पर सफल वेब सीरीज द रेलवे मेन का निर्देशन किया था। इस फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है।

अमेरिकन पॉप-स्टार रिहाना के घर पर फायरिंग, टेस्ला कार में बैठी महिला ने चलाई धड़ाधड़ 10 गोलियां

अमेरिकन पॉप स्टार रिहाना को लेकर एक शॉकिंग खबर सामने आई है। बीते दिन रविवार को सिंगर के घर पर फायरिंग की घटना हुई, जिसका पता चलते ही पुलिस एक्टिव हो गई और इस मामले में एक 30 वर्षीय महिला को हिरासत में लिया। ये हमला तब हुआ जब रिहाना अपने घर के अंदर ही थीं। रिहाना के घर ये फायरिंग की घटना 8 मार्च की दोपहर को हुई। फायरिंग की जानकारी मिलते ही पुलिस एक्शन में आ गई और करीब 1:21 बजे घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। इसके बाद पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी महिला अपनी कार में थी और गाड़ी के अंदर से ही उसने रिहाना के घर पर कई राउंड फायरिंग की और तुरंत वहां से फरार हो गई। सबसे पहले घटना की जानकारी देने वाले शख्स ने बताया कि महिला एक व्हाइट कलर की टेस्ला कार में मौजूद थी और उसने रिहाना के घर पर करीब 10 राउंड फायरिंग की। घटना के दौरान रिहाना घर के अंदर थीं। गनीमत यह रही कि रिहाना को कोई आंच नहीं आई और वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं। पुलिस के मुताबिक फायरिंग में कोई भी घायल नहीं हुआ है। हालांकि फिलहाल आरोपी की पहचान को उजागर नहीं किया गया है। इसके अलावा, आरोपी के फायरिंग के मकसद के बारे में पता नहीं चल पाया है। वहीं सिंगर रिहाना की ओर से भी इस घटना पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

'द 50' से बाहर होने के बाद निकी तंबोली ने की क्रिप्टिक पोस्ट

निक्की तंबोली कुछ दिन पहले ही रियलिटी 'द 50' से बाहर हुईं। हाल ही में उनके बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल भी शो से बाहर हो गए। अब शो में कुछ इंफ्लुएंसर, टीवी आर्टिस्ट बाकी रह गए हैं। अपनी हालिया पोस्ट में बिना किसी का नाम लिए निक्की तंबोली ने 'द 50' के कुछ प्रतियोगियों पर निशाना साधा है। जानिए, अपनी पोस्ट में निकी तंबोली ने क्या कहा? और कौन से प्रतियोगी पर वह निशाना साधा रही हैं। निकी तंबोली ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है। इसमें वह लिखती हैं, 'मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स करवाने से ज्यादा मेहनत अगर अपनी लाइफ पर करते तो शायद कोलेबोरेशंस से जिंदगी नहीं चलती। मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रिस्पेक्ट खरीद लो। शायद ज्यादा काम आ जाए।' वह आगे लिखती हैं, 'गुस्सा जायज है। घाव गहरे थे।' निक्की तंबोली ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि वह टीवी एक्टर प्रिंस नरुला और टीवी पर्सनालिटी शिव ठाकरे पर निशाना साध रही हैं। यह दोनों इस वक्त 'द 50' शो का हिस्सा हैं। जब निक्की और उनका बॉयफ्रेंड शो में थे तो शिव ठाकरे और प्रिंस नरुला से कई बार झगड़ा हुआ। 'द 50' शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिसं नरुला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। 'द 50' शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चौनल पर टेलीकास्ट होता है।

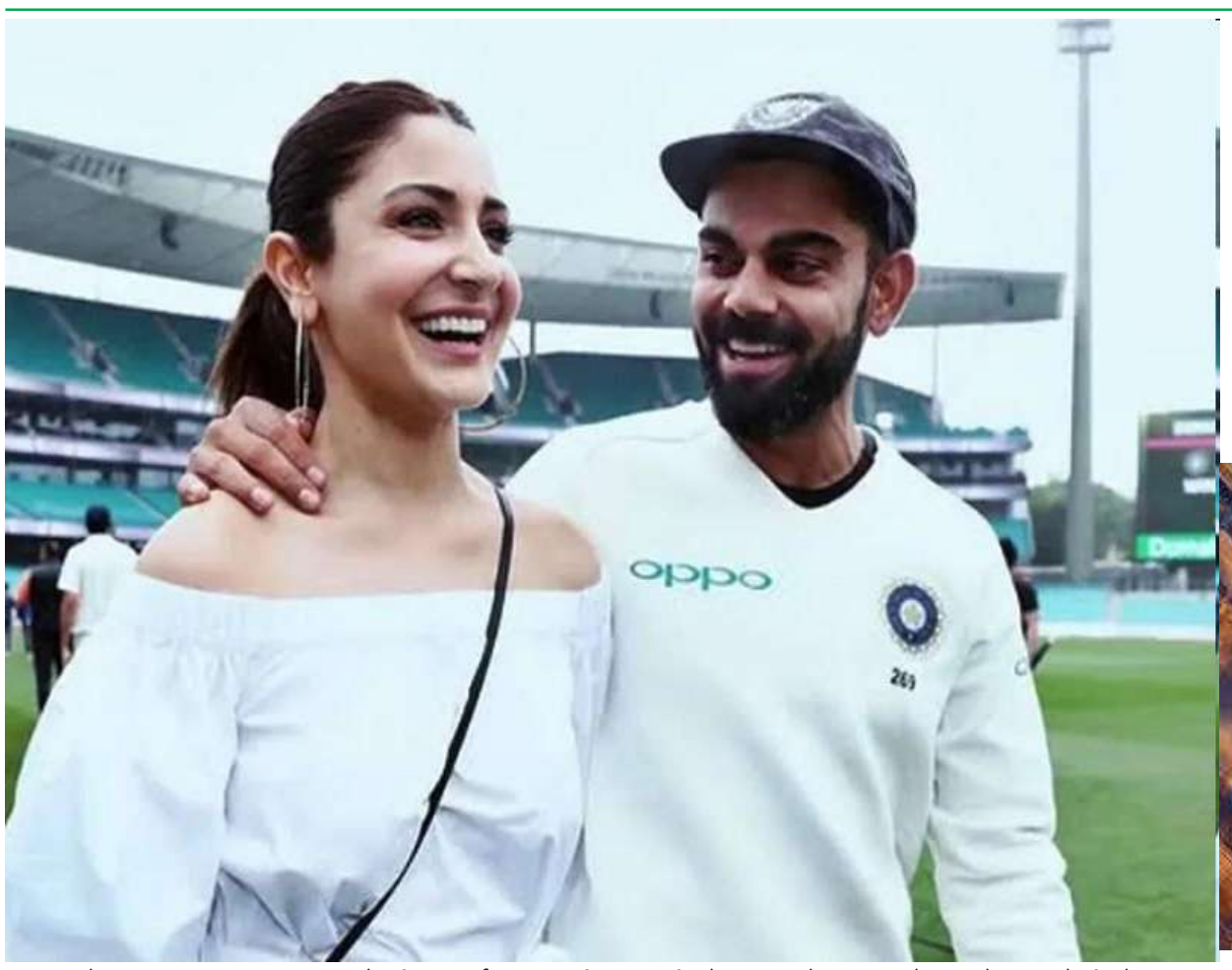

लंदन बैठी अनुष्का शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप की जीत का मनाया जश्न, खास अंदाज में दी टीम इंडिया को बधाई

पूरा देश इस वक्त साल 2026 के टी20 वर्ल्ड कप की जीत का जश्न मना रहा है। टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड को धूल चटाने के बाद सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक लोग इंडिया की जीत के जश्न में डूबे नजर आ रहे हैं। सेलेब्स भी सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करते दिख रहे हैं और इंडिया टीम को बधाई दे रहे हैं। इसी बीच भारत टीम की जीत पर लंदन बैठी एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा का भी पोस्ट सामने आया, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। अनुष्का शर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए टीम इंडिया की जीत पर अपनी खुशी और सम्मान जाहिर किया। उन्होंने जीत की फोटो शेयर कर साथ में लिखा, इस शानदार जीत के लिए इस शानदार टीम को दिल से बधाई! बैक टू बैक वर्ल्ड कप जीत! इसके साथ ही अनुष्का ने ताली बजाने वाली, ब्लू हार्ट और भारतीय झंडे की इमोजी का इस्तेमाल भी किया है। एक्ट्रेस का ये पोस्ट आते ही वायरल हो गया और फैंस इसे जमकर लाइक कर रहे हैं। बता दें, बेटी वामिका के जन्म के बाद ही से अनुष्का शर्मा फिल्मों से दूर हैं। इन दिनों वह अपनी बेटी और बेटे अकाय की परवरिश पर पूरा ध्यान दे रही हैं। हालांकि, जल्द ही वो फिल्म चकदा एक्सप्रेस में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह क्रिकेटर गुंजन सक्सेना की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

सुबह-सुबह रोजाना भीगी किशमिश खाने के ७ फायदे, हीमोग्लोबिन बढ़ेगा

किशमिश एक बेहतरीन ड्राई फ्रूट में से एक है, जिसे हम अक्सर खीर या हलवे डलकर खाते हैं। लेकिन इसे रात को भिगोकर सुबह खाने से काफी फायदे मिलते है। अंगूर को सुखाकर किशमिश बनाई जाती है। इनमें कई पोषक तत्व पाएं जाते है जो सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद है। किशमिश में फाइबर, आयरन, प्रोटीन, पोटैशियम, विटामिन बी–6 के साथ अन्य कई पोषक तत्व होते हैं।

इम्यूनिटी बूस्ट होती है

हर घर में माम्मी या दादी हमे रोजाना किशमिश को भिगोकर खाने की सलाह देती हैं। किशमिश में कई एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, अगर आप इसको भिगोकर सेवन करते हैं तो इससे इम्यूनिटी मजबूत होती है।

हीमोग्लोबिन बढ़ता है

किशमिश में आयरन से भरपूर गुण होते है। इसके सेवन से हीमोग्लोबिन की कमी दूर होती है। रोजाना रात को 8–10 किशमिश को पानी में भिगोकर सुबह खाने से शरीर को पोषण मिलेगा।

ब्लड प्रेशर

किशमिश में पोटैशियम पाया जाता है जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। भीगी हुई किशमिश खाने से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रहता है। किशमिश में कई पोषण तत्व होते है जो से हेल्थ के लिए बहुत ही फायदेमंद है।

पाचन के लिए फायदेमंद

अधिक फाइबर खाने से पाचन और कब्ज से राहत मिलता है। किशमिश में काफी मात्रा में फाइबर पाई जाती है इसके सेवन से पाचन क्रिया में मदद मिलती है। इसलिए किशमिश को भिगोकर खाने से आपकी गट हेल्थ भी ठीक रहती है। इसे खाने से इंटेस्टाइन में मूव करने में भी मदद मिलती है, जिससे ब्लोटिंग और कब्ज की परेशानी नहीं होती।

कोलेजन बूस्ट होना

भीगी किशमिश को सुबह खान से कोलेजन बूस्ट होता है, जिससे स्किन ग्लोइंग बनी रहती है। जल्दी बुढ़ापा भी नहीं आता, इसलिए रोजाना भीगी हुई किशमिश जरुर खाएं।

बोन हेल्थ में फायदेमंद

किशमिश में कैल्शियम होता है, इसके सेवन से बोन हेल्थ मे काफी सुधार होता है। रोजाना 6–7 किशमिश को पानी में भिगोकर सुबह को जरुर खाएं।

लिवर हेल्थ के लिए फायदेमंद

भीगी किशमिश को खाना या इसका पानी पीने से लीवर हेल्द के लिए काफी फायदेमंद होताा है। क्योंकि इससे लीवर डिटॉक्सीफाई होता है। इसमें बायोफ्लेवोनॉइट पाए जाते है, जो आपके खून और लिवर को डिटॉक्स करता है। किशमिश में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो लिवर के लिए बेहत फायदेमंद है क्योंकि यह शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर करके हेल्दी लिवर बनाता है।

गर्मियों में टैनिंग से हाथ हो गए काले तो अपनाएं ये देसी नुस्खे

गर्मियों के मौसम में तेज धूप और गर्म हवाएं त्वचा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। बाहर निकलते समय सूर्य की तेज किरणें सीधे त्वचा पर पड़ती हैं, जिससे हाथों, चेहरे और पैरों पर टैनिंग की समस्या हो जाती है। अक्सर लोग चेहरे की देखभाल तो करते हैं, लेकिन हाथों को नजरअंदाज कर देते हैं। धीरे–धीरे हाथों की त्वचा काली, रूखी और बेजान दिखने लगती है। हालांकि कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर टैनिंग को काफी हद तक कम किया जा सकता है। घर में मौजूद प्राकृतिक चीजें त्वचा को साफ, मुलायम और चमकदार बनाने में मदद करती हैं। टैनिंग हटाने के लिए अपनाएं ये देसी नुस्खे।

नींबू और शहद का इस्तेमाल

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो त्वचा की टैनिंग और दाग–धब्बों को हल्का करने में मदद करते हैं। इसके लिए एक चम्मच नींबू का रस लें और उसमें एक चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को हाथों पर लगाकर लगभग 15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद सादे पानी से धो लें। इससे त्वचा साफ और मुलायम बनती है।

दही और बेसन का पैक

दही त्वचा को ठंडक देता है, जबकि बेसन त्वचा की गंदगी और डेड स्किन हटाने में मदद करता है। इसके लिए 2 चम्मच बेसन में 1 चम्मच दही मिलाएं। चाहें तो इसमें थोड़ा सा हल्दी भी मिला सकते हैं। इस पेस्ट को हाथों पर लगाकर सूखने दें और फिर हल्के हाथों से रगड़ते हुए धो लें। इससे टैनिंग कम होने में मदद मिलती है।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

एलोवेरा त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को ठंडक देते हैं और रंगत निखारने में मदद करते हैं। ताजा एलोवेरा जेल लेकर हाथों पर हल्के हाथों से लगाएं और लगभग 20 मिनट बाद पानी से धो लें। नियमित इस्तेमाल से त्वचा साफ और मुलायम दिखने लगती है।

आलू का रस

आलू में मौजूद प्राकृतिक तत्व त्वचा की रंगत हल्की करने में मदद करते हैं। इसके लिए एक आलू को कद्दूकस करके उसका रस निकाल लें और इसे हाथों पर लगाएं। 10,15 मिनट बाद पानी से धो लें। नियमित इस्तेमाल से धीरे–धीरे टैनिंग कम होने लगती है।

खीरा और गुलाब जल

खीरा त्वचा को ठंडक देता है और गुलाब जल त्वचा को ताजगी देता है। इसके लिए खीरे का रस निकालकर उसमें थोड़ा सा गुलाब जल मिला लें। इस मिश्रण को कॉटन की मदद से हाथों पर लगाएं। इससे त्वचा फ्रेश और साफ महसूस होती है।

टैनिंग से बचने के लिए जरूरी टिप्स

धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

तेज धूप में ज्यादा देर तक रहने से बचें।

बाहर जाते समय हाथों को कपड़े या दुपट्टे से ढककर रखें।

शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए दिनभर में पर्याप्त पानी पिएं।

अगर इन घरेलू उपायों को नियमित रूप से अपनाया जाए, तो गर्मियों में होने वाली टैनिंग से काफी हद तक राहत मिल सकती है और त्वचा फिर से साफ और चमकदार दिखने लगती है।

एनीमिया से बचाव के लिए आयरन के साथ इन पोषक तत्वों को डाइट में करें शामिल, नेचुरली बढ़ेगा हीमोग्लोबिन

एनीमिया बीमारी वैश्विक स्तर पर होने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय महिलाओं में इस बीमारी का सबसे अधिक खतरा देखने को मिलता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत में 15 से 49 साल की उम्र वाली 57 फीसदी महिलाओं और छह महीने से 59 महीने के बीच 67 फीसदी बच्चों को यह प्रभावित करता है। लंबे समय तक एनीमिया की समस्या होने पर गंभीर स्वास्थ्य जोखिम हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें, डाइट में फोलेट और आयरन वाली चीजों की कमी से एनीमिया की समस्या हो सकती है। इसके अलावा अन्य बीमारियों के कारण भी आप को एनीमिया की समस्या हो सकती है।

आपको बता दें कि शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं या हीमोग्लोबिन की कमी के कारण एनीमिया होता है। क्योंकि यह कोशिकाएं ऊतकों तक ऑक्सीजन की सप्लाई करने के लिए आवश्यक मानी जाती हैं। हीमोग्लोबिन रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला एक तरह का प्रोटीन होता है। ऐसे में जब शरीर में इसकी कमी होती है, तो सेहत संबंधी कई जोखिमों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में अपनी डाइट को ठीक कर और डाइट में पौष्टिक चीजों को शामिल कर एनीमिया से अपना बचाव किया जा सकता है।

आयरन युक्त चीजें

जब शरीर में आयरन की कमी होती है, तो लाल रक्त कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन का पर्याप्त स्तर नहीं बन पाता है। जिससे एनीमिया होने का जोखिम बढ़ता है। ऐसे में इस समस्या के होने पर सांस लेने में कठिनाई, दिल की धड़कनों में अनियमितता, थकान, कमजोरी, चक्कर आने और शरीर में दर्द बने रहने की समस्या हो सकती है। हेल्थ एक्सपर्टस के अनुसार, डाइट में आयरन युक्त चीजों को शामिल कर एनीमिया के खतरे से बचा जा सकता है। लेकिन एनीमिया से बचाव के लिए सिर्फ आयरन ही नहीं बल्कि अन्य पोषक तत्वों की भी आपके शरीर को नियमित रूप से जरूरत होती है।

ऐसे दूर करें आयरन की कमी

एनीमिया के खतरे को कम करने के लिए डाइट में आयरन युक्त चीजों को शामिल करना चाहिए। ड्राई फ्रूट्स, साबुत अनाज, पत्तेदार हरी सब्जियां– जैसे पालक और ब्रोकोली, टोफू और नट्स–सीड्स से आयरन की पूर्ति की जा सकती है। वहीं डाइट में इन चीजों की मात्रा को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके अलावा आपको नियमित रूप से पोषक तत्वों और विटामिन्स की जरूरत होती है। जो आयरन के बेहतर अवशोषण के साथ ही बॉडी में हीमोग्लोबिन की पर्याप्त मात्रा को बनाए रखने में मदद करती हैं।

विटामिन–सी

एनीमिया से बचाव के लिए आयरन जरूरी है। लेकिन विटामिन सी की कमी होने पर शरीर में आयरन का अवशोषण प्रभावित होने लगता है। ऐसे में शरीर में आयरन ठीक प्रकार से अवशोषित हो सके और इसका अधिक लाभ प्राप्त किया जा सके। इसके लिए जरूरी है कि डाइट में विटामिन सी वाली चीजों को पर्याप्त मात्रा में शामिल करना चाहिए। साथ ही विटामिन सी आयरन के अवशोषण को कोशिकाओं में बढ़ावा देने में मददगार माना जाता है।

विटामिन बी 12

एनीमिया की समस्या से बचने के लिए अपनी डाइट में उन सभी चीजों को शामिल करना चाहिए, जो विटामिन बी 12 की कमी को पूरा करती हैं। बता दें कि मुख्य रूप से अंडे, मांस और दूध में विटामिन बी 12 पाया जाता है। ऐसे में जो लोग विटामिन बी 12 युक्त चीजों को डाइट में शामिल नहीं करते हैं, उनको कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं और एनीमिया का भी खतरा हो सकता है। इसलिए एनीमिया के जोखिम से बचे रहने के लिए आयरन के साथ विटामिन बी12 और विटामिन सी युक्त चीजों को डाइट में शामिल करना चाहिए।

आंतों का दुश्मन है चाय और बिस्कुट का कॉम्बो, सुबह उठते ही इसे खाने की छोड़ दो आदत

क्या आपकी भी सुबह चाय और बिस्कुट के बिना शुरू नहीं होती? कई लोग इसे हल्का और सुरक्षित नाश्ता मानते हैं लेकिन एक सर्जन के मुताबिक, यह कॉम्बिनेशन धीरे–धीरे आंत की सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। सुबह का पहला भोजन आपकी सेहत की नींव तय करता है। तो दिन की शुरुआत पोषण से करें, सिर्फ आदत से नहीं। चलिए जानते हैं चाय बिस्कुट क्यों है खतरनाक

खाली पेट चाय से बढ़ती है एसिडिटी

सुबह खाली पेट चाय पीने से पेट में एसिड ज्यादा बनता है। अगर साथ में बिस्कुट (जो अक्सर मैदा और चीनी से बने होते हैं) खाए जाएं, तो यह एसिडिटी और जलन को बढ़ा सकते हैं। इससे गैस, पेट दर्द, सीने में जलन की समस्या हो सकती है।

बिस्कुट में रिफाइंड मैदा और शुगर

ज्यादातर बाजार में मिलने वाले बिस्कुट में, रिफाइंड मैदा, ज्यादा चीनी ट्रांस फैट या पाम ऑयल होता है। ये चीजें आंत में "अच्छे बैक्टीरिया" का संतुलन बिगाड़ सकती हैं। रोज सुबह यह कॉम्बो गट माइक्रोबायोम को कमजोर कर सकता है।

ब्लड शुगर में तेज उतार–चढ़ाव

मीठे बिस्कुट और दूध वाली चाय से शुगर अचानक बढ़ती है, फिर जल्दी गिरती है। इससे जल्दी भूख लगना, थकान, मीठा खाने की क्रेविंग बढ़ सकती है। चाय–बिस्कुट में फाइबर लगभग नहीं होता। फाइबर की कमी से कब्ज, ब्लोटिंग और पाचन की समस्या हो सकती है।

लंबे समय में खतरा

अगर यह आदत सालों तक चले तो फैटी लिवर, वजन बढ़ना, डायबिटीज का जोखिम, क्रॉनिक गैस्ट्रिक समस्या बढ़ सकती है। अगर आपको पहले से एसिडिटी, आईबीएस, कब्ज, पेट फूलना जैसी समस्या है, तो सुबह चाय–बिस्कुट की आदत तुरंत बदलें। कभी–कभार चाय–बिस्कुट से नुकसान नहीं होता। लेकिन अगर यह आपकी रोज की आदत है, तो यह धीरे–धीरे आपके गट की सेहत को कमजोर कर सकता है।

तो सुबह क्या खाएं?

अगर चाय पीनी ही है तो पहले एक गिलास गुनगुना पानी लें। साथ में भुना चना, मूंगफली या मखाना लें या फिर अंडा, स्प्राउट्स, दलिया, ओट्स। मल्टीग्रेन या घर का बना कम चीनी वाला बिस्कुट लें।

संक्षिप्त

रनों का यह महारथी अब सिखाएगा बल्लेबाजी का गुर! गुजरात टाइटंस का बड़ा एलान, इन्हें बनाया बैटिंग कोच

अहमदाबाद,एजेंसी। आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस ने अपनी टीम मैनेजमेंट में बड़ा बदलाव किया है। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। अपने दौर के सबसे खतरनाक ओपनरों में गिने जाने वाले हेडन अब गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों को आधुनिक टी20 बल्लेबाजी की बारीकियां सिखाते नजर आएंगे। मैथ्यू हेडन ऑस्ट्रेलिया के उन बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं जिन्होंने अपने समय में गेंदबाजों पर जबरदस्त दबाव बनाया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 273 मैच खेले और 15 हजार से ज्यादा रन बनाए। हेडन दो बार वनडे विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा रहे और कई आईसीसी टूर्नामेंट जीतने में अहम भूमिका निभाई। गुजरात टाइटंस के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट विक्रम सोलंकी ने इस नियुक्ति को टीम के लिए अहम कदम बताया। उन्होंने कहा, मैथ्यू की नियुक्ति हमारे सफर के एक महत्वपूर्ण चरण में हुई है। उच्च स्तर का उनका अनुभव और युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने की उनकी क्षमता आने वाले सीजन में हमारी बल्लेबाजी पहचान को मजबूत करने में मदद करेगी। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद मैथ्यू हेडन ने भी टीम के विजन को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, श्अच्छी बल्लेबाजी विरोधी टीम पर दबाव बनाती है, लेकिन महान बल्लेबाजी मैच पर पूरी तरह कब्जा कर लेती है। यही मानक हम गुजरात टाइटंस के लिए तय करना चाहते हैं। मैथ्यू हेडन आईपीएल में भी खेल चुके हैं। उन्होंने 32 आईपीएल मैचों में हिस्सा लिया और अपने आक्रामक अंदाज से कई यादगार पारियां खेलीं। उनका वही आक्रामक लेकिन तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाजी स्टाइल आज के टी20 क्रिकेट की पावरप्ले बल्लेबाजी की नींव माना जाता है। मिली जानकारी के अनुसार हेडन टीम के कोचिंग स्टाफ में ऑस्ट्रेलिया के ही मैथ्यू वेड की जगह आए हैं। वेड 2025 के आईपीएल सीजन में गुजरात टाइटंस के सहायक कोच की भूमिका निभा चुके थे।

केंद्र ने प्राकृतिक गैस के वितरण के लिए नई प्राथमिकता सूची तय की

?नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति पर दबाव के बीच केंद्र सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर रिफाइनरियों को स्च्छ उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया है। नई व्यवस्था में घरों की च्छळ और वाहनों की ब्छळ की 100: आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। आइए विस्तार से जानते हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति पर बढ़ते दबाव के बीच केंद्र सरकार ने मंगलवार को घरेलू ऊर्जा बाजार को सुरक्षित रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम (ईसी अधिनियम) लागू करते हुए रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया है, ताकि देश में रसोई गैस की आपूर्ति निर्बाध बनी रहे। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, जारी नियंत्रण आदेश के तहत प्रमुख हाइड्रोकार्बन संसाधनों को स्च्छ पूल में डायवर्ट किया जाएगा। साथ ही प्राकृतिक गैस के वितरण के लिए नई प्राथमिकता सूची तय की गई है, ताकि मौजूदा आपूर्ति बाधाओं को प्रभावी तरीके से संभाला जा सके। नई व्यवस्था के तहत घरेलू पाइप्ड गैस और वाहनों के लिए ब्छळ की आपूर्ति 100 प्रतिशत सुनिश्चित की गई है। वहीं चाय उद्योग, विनिर्माण इकाइयों और गैस ग्रिड से जुड़े औद्योगिक उपभोक्ताओं को पिछले छह महीनों के औसत उपभोग का 80 प्रतिशत गैस ही मिलेगी। इस पुनर्संतुलन के तहत रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल संयंत्रों की प्राकृतिक गैस आपूर्ति में 35 प्रतिशत कटौती की गई है। सरकार का यह कदम ऐसे समय आया है जब भारत अपनी लगभग 30प्रतिशत एलपीजी प्राकृतिक गैस आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए प्राप्त करता है और क्षेत्रीय तनाव के कारण आपूर्ति शृंखला प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। कमी की भरपाई के लिए भारत वैकल्पिक व्यापार मार्गों से प्राकृतिक गैस की खरीद भी कर रहा है। इसके अलावा, रेस्तरां, ऑटोमोबाइल और अन्य क्षेत्रों में स्च्छ की जरूरतों की समीक्षा के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक समिति भी गठित की है। मंत्रालय ने बताया कि मौजूदा भू–राजनीतिक परिस्थितियों में नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए घरेलू एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। ब्लैक मार्केटिंग और जमाखोरी रोकने के लिए सरकार ने एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए 25 दिन का इंटर–बुकिंग पीरियड भी लागू किया है, ताकि मौजूदा आपूर्ति परिस्थितियों का बेहतर प्रबंधन किया जा सके। इस बीच इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने बताया कि मौजूदा भू–राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए घरेलू उपभोक्ताओं और आवश्यक गैर–घरेलू क्षेत्रों जैसे अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, अन्य गैर–घरेलू क्षेत्रों से आने वाले अनुरोधों की समीक्षा ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स की एक समिति द्वारा की जाएगी। यह समिति जरूरत, प्राथमिकता और उपलब्धता के आधार पर स्च्छ आवंटन पर निर्णय लेगी।

15 मार्च को बीसीसीआई का नमन: पिछले एक साल में आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली पांच भारतीय टीमों का होगा सम्मान

मुंबई,एजेंसी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस समारोह में भारतीय क्रिकेट की हालिया अंतरराष्ट्रीय सफलताओं का जश्न मनाया जाएगा। साथ ही 2024–25 सीजन में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मान दिया जाएगा। बीसीसीआई के इस कार्यक्रम में पिछले एक साल में आईसीसी खिताब जीतने वाली पांच अलग–अलग भारतीय टीमों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम भी शामिल है। इसके अलावा 2025 वनडे विश्वकप चैंपियन सीनियर महिला टीम, 2026 अंडर–19 विश्वकप चैंपियन आयुष म्हात्रे की टीम और 2025 अंडर–19 विश्वकप जीतने वाली भारतीय बेटियों की टीम शामिल हैं। टीम के साथ कोचिंग स्टाफ को भी इस समारोह में बुलाया जाएगा।

देवजीत सैकिया ने बताया, बीसीसीआई अवॉर्ड्स समारोह 15 मार्च को नई दिल्ली में होगा। हम हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप सहित सभी आईसीसी टूर्नामेंट विजेता टीमों और उनके कोचों को आमंत्रित करने जा रहे हैं। सीनियर पुरुष टीम के अलावा सीनियर महिला टीम, अंडर–19 लड़कों और अंडर–19 लड़कियों की टीम, जिन्होंने 2025 में ट्रॉफी जीती थी, उन्हें भी बुलाया जाएगा। सैकिया ने यह भी बताया कि 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों को भी इस समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों को भी आमंत्रित करेंगे। पिछले लगभग एक साल में भारतीय टीमों ने कुल पांच आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं और

उन सभी टीमों के सदस्यों को इस अवॉर्ड नाइट में सम्मानित किया जाएगा। यह एक शानदार शाम होगी।

सूत्रों के मुताबिक यह समारोह नई दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में आयोजित किया जाएगा, जो एयरपोर्ट के पास स्थित होगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि भारतीय पुरुष टीम के कई खिलाड़ियों को कार्यक्रम के बाद सीधे अपनी–अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़ना है। आईपीएल 2026 का सीजन 28 मार्च से शुरू होने वाला है और उससे पहले सभी टीमों के प्री–सीजन कैंप शुरू हो जाएंगे।

इससे पहले बीसीसीआई ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम और सपोर्ट स्टाफ के लिए 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि का एलान किया था। यह राशि 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को दी गई 125 करोड़ रुपये की इनामी राशि से छह करोड़ रुपये ज्यादा है।

देवजीत सैकिया ने कहा, 2026 टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के इनाम की राशि का पूरा बंटवारा जल्द बताया जाएगा। लेकिन 131 करोड़ रुपये की कुल राशि किसी भी विजेता भारतीय टीम को बीसीसीआई द्वारा दी गई अब तक की सबसे बड़ी राशि है। इसमें खिलाड़ियों के अलावा सपोर्ट स्टाफ और चयनकर्ताओं को भी हिस्सा मिलेगा। पिछले एक साल में अलग–अलग स्तरों पर भारतीय टीमों की शानदार सफलता ने भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। ऐसे में बीसीसीआई का 'नमन' अवॉर्ड समारोह सिर्फ खिलाड़ियों को सम्मानित करने का मंच ही नहीं होगा, बल्कि भारतीय क्रिकेट की उपलब्धियों का जश्न मनाने का भी खास मौका बनेगा।

पिता को याद कर भावुक हुए चैंपियन रिंकू सिंह, खिताब जीतकर भी अधूरा रह गया जश्न

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक पल थी, लेकिन टीम इंडिया के बल्लेबाज रिंकू सिंह के लिए यह खुशी पूरी तरह से अधूरी रह गई। वर्ल्ड कप जीतने के बाद रिंकू सिंह ने अपने दिवंगत पिता खानचंद्र सिंह को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक संदेश लिखा, जिसने फैंस को भी भावुक कर दिया। रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र सिंह का 27 फरवरी को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। वे स्टेज–4 लिवर कैंसर से जूझ रहे थे और ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। पिता के निधन की खबर रिंकू सिंह को तब मिली थी जब वह भारतीय टीम के साथ टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयारी कर रहे थे। यह खबर उनके लिए बेहद बड़ा झटका थी। वर्ल्ड कप जीत के बाद रिंकू सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपने पिता को याद करते हुए लिखा कि उनके बिना जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल है। उन्होंने भावुक शब्दों में लिखा, आपसे बात किए बिना इतने दिन कभी नहीं निकले। मुझे नहीं पता आगे की जिंदगी आपके बिना कैसे चलेगी, लेकिन मुझे हर कदम पर आपकी जरूरत पड़ेगी। रिंकू के इस संदेश ने यह दिखाया कि उनके जीवन में उनके पिता का कितना बड़ा स्थान था।

रिंकू सिंह ने अपने पोस्ट में यह भी बताया कि उनके पिता ने उन्हें हमेशा सिखाया था कि कर्तव्य सबसे पहले आता है। यही सीख उन्हें मैदान पर मजबूती से खड़े रहने की प्रेरणा देती रही। उन्होंने लिखा, आपने सिखाया था कि फर्ज सबसे आगे है, इसलिए मैदान पर बस आपका सपना पूरा करने की कोशिश कर रहा था। अब आपका सपना पूरा हो गया है, तो बस यही लगता है कि काश आप मेरे पास होते। पिता के निधन की खबर मिलने के बाद रिंकू सिंह तुरंत चेन्नई से अपने गृह नगर अलीगढ़ पहुंचे थे। वहां उन्होंने अपने पिता के अंतिम संस्कार की रस्में निभाईं। उस दौरान रिंकू गहरे सदमे में नजर आए थे और अपने पिता के पार्थिव शरीर को कंधा देते हुए बेहद भावुक दिखे। रिंकू सिंह ने अपने संदेश में आगे लिखा कि जीवन की हर छोटी–बड़ी खुशी में उन्हें अपने पिता की कमी महसूस होगी। उन्होंने लिखा, हर छोटी–बड़ी खुशी में आपकी कमी खलेगी। बहुत मिस करूंगा आपको पापा३ बहुत ज्यादा। यह संदेश पढ़कर कई क्रिकेट फैंस और साथी खिलाड़ियों ने भी रिंकू के प्रति संवेदना जताई। दिलचस्प बात यह है कि 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में रिंकू सिंह भारतीय टीम के मुख्य स्क्वॉड का हिस्सा नहीं बन पाए थे। उन्हें ट्रैवलिंग रिजर्व के रूप में रखा गया था, लेकिन 2026 में उन्हें टीम में जगह मिली और उन्होंने अपने करियर का पहला टी20 वर्ल्ड कप खेला।

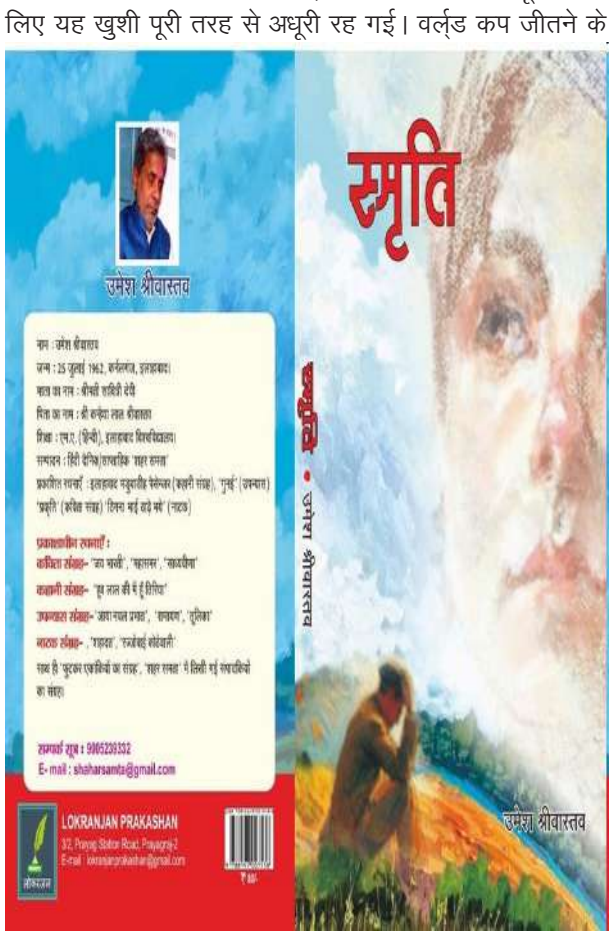

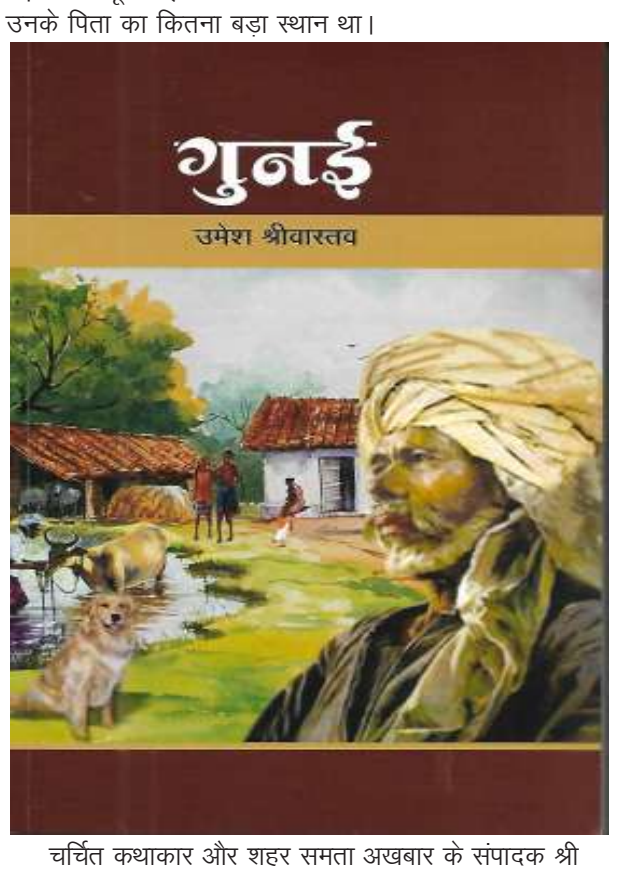

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

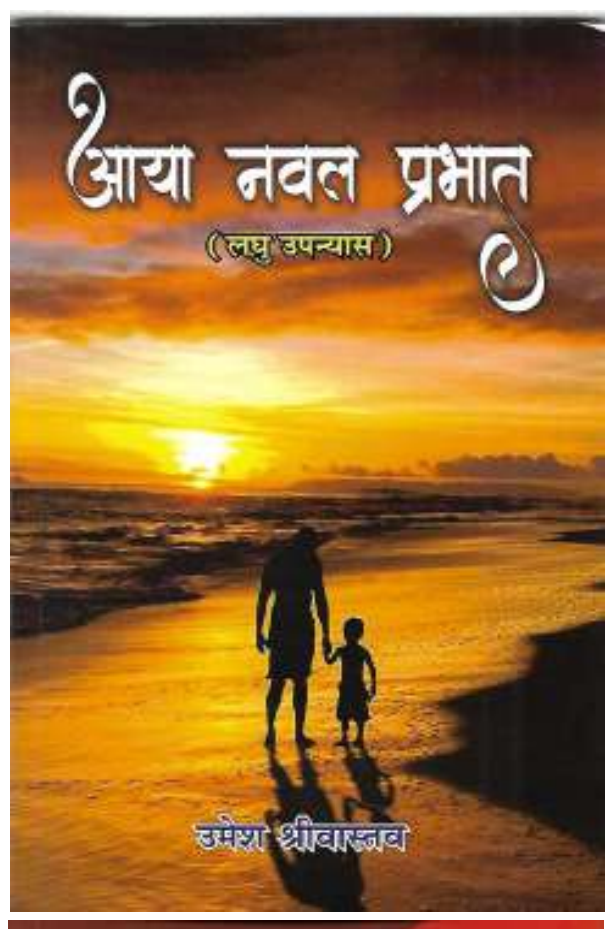

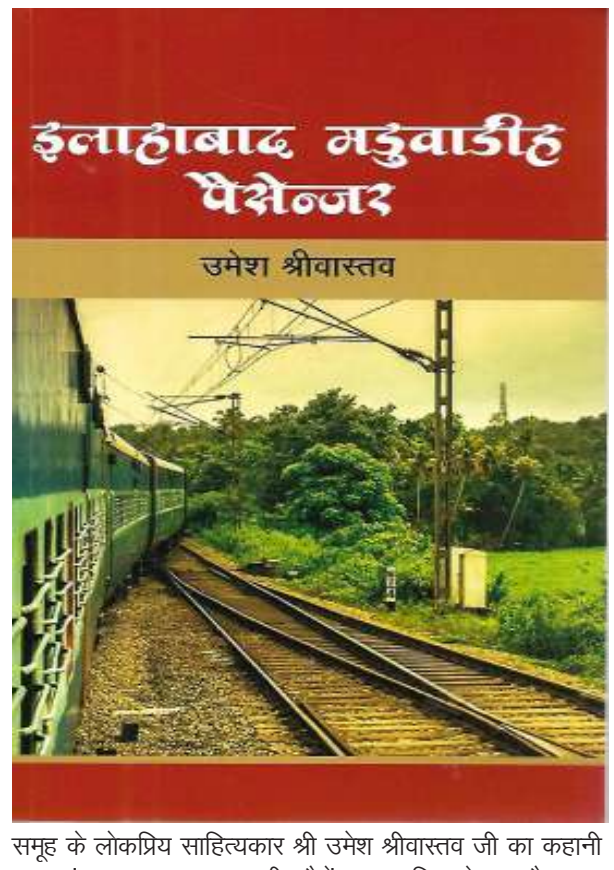

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

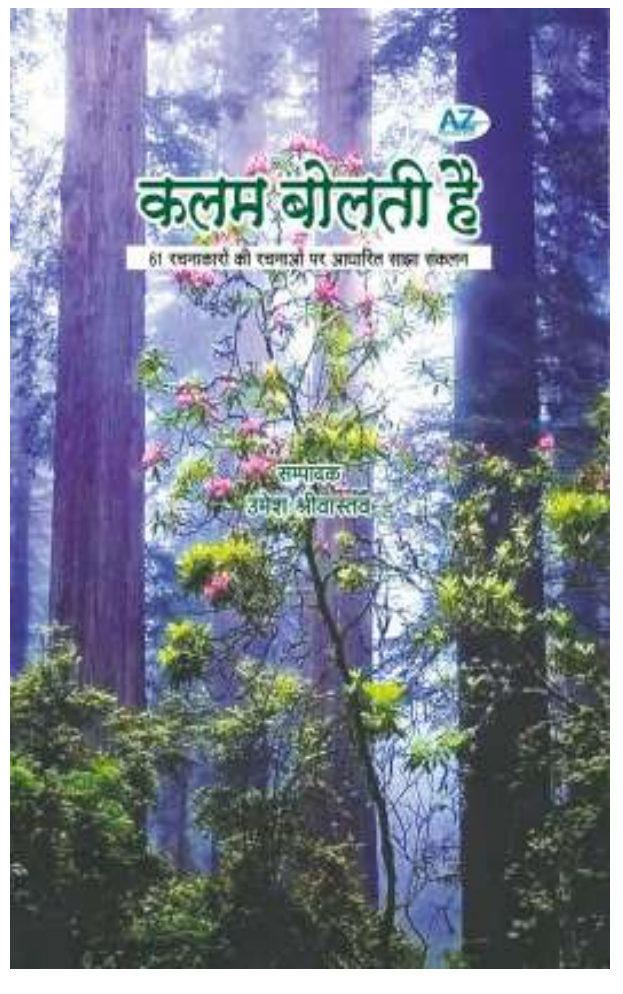

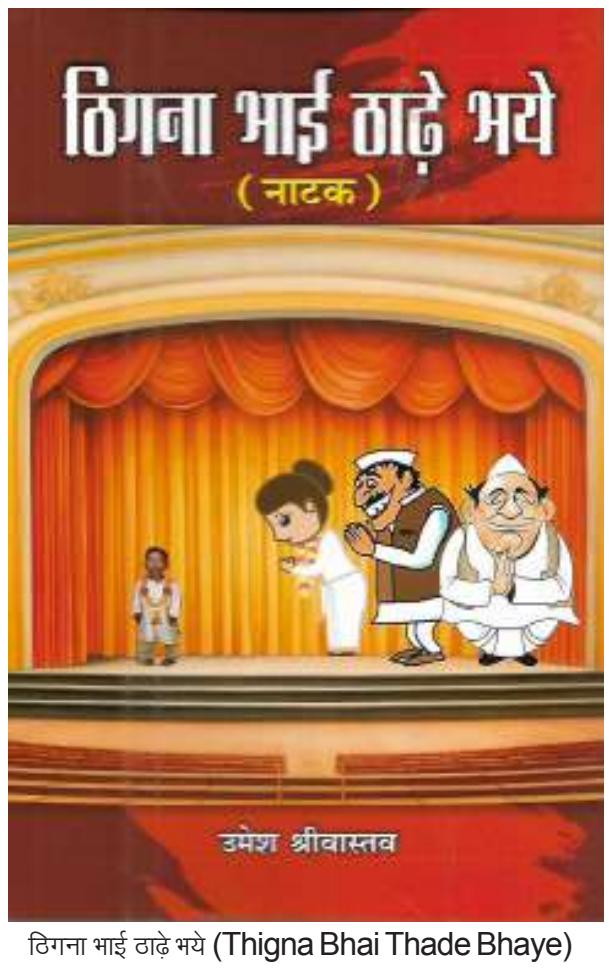

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ईरान में हो रही तेजाबी बारिश, इस्राइल-अमेरिका हमलों का दिखा खतरनाक असर, विशेषज्ञों ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान में सप्ताहांत में तेल डिपो पर हुए अमेरिका–इस्राइल के हवाई हमलों के बाद कुछ इलाकों में

काली बारिश होने की खबरें सामने आ रही हैं। कई मीडिया रिपोर्टों में इसे एसिड रेन बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश का पानी काला दिखाई दे रहा है और उसमें तेल जैसी परत भी देखी जा रही है, जो इमारतों और वाहनों पर जम रही है। कुछ लोगों ने सिरदर्द और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत भी की है। ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने भी चेतावनी दी है कि इन हमलों के बाद होने वाली बारिश बेहद खतरनाक और अम्लीय हो सकती है। वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और वायु प्रदूषण पर काम करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि यह स्थिति केवल सामान्य एसिड रेन तक सीमित नहीं हो सकती, बल्कि इसमें कई खतरनाक प्रदूषक शामिल होने की आशंका है। उनके अनुसार अधिक गंभीर स्थिति हो सकती है। वायुमंडल से प्रदूषकों को हटाने का एक प्रमुख तरीका बारिश है। जब हवा में बड़ी मात्रा में प्रदूषक मौजूद होते हैं तो बारिश की बूंदें उन्हें अपने साथ लेकर जमीन पर ले आती हैं। तेल डिपो पर हमले के बाद वातावरण में भारी मात्रा में धुआं और प्रदूषक फैल गए होंगे। इसी कारण बारिश की बूंदें इन प्रदूषकों को अपने साथ लेकर नीचे गिर रही हैं, जिससे काली बारिश की स्थिति बन रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इस बारिश में कई खतरनाक पदार्थ मौजूद हो सकते हैं, जिनमें हाइड्रोकार्बन, बेहद महीन कण और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (च्।भ्) शामिल हैं। पीएएचएस ऐसे रसायन हैं जिन्हें कैंसरकारी माना जाता है। इसके अलावा बारिश में अन्य कई अज्ञात रसायनों का मिश्रण भी हो सकता है। इनमें भारी धातुएं और अकार्बनिक यौगिक शामिल हो सकते हैं, जो विस्फोट में नष्ट हुई इमारतों, संरचनाओं और अन्य सामग्रियों से निकलते हैं। तेल डिपो में लगी आग से सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी गैसें भी बड़ी मात्रा में निकलती हैं। ये गैसें हवा में रासायनिक प्रतिक्रिया करके सल्फ्यूरिक एसिड और नाइट्रिक एसिड बनाती हैं। जब ये एसिड बारिश की बूंदों में घुल जाते हैं, तो वही बारिश एसिड रेन कहलाती है।

ईरान का खतरनाक प्लान हुआ फेल?: अमेरिकी एजेंसी का दावा- स्लीपर सेल को सक्रिय करने का खुफिया संदेश पकड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन–प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब ग्यारहवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। ऐसे में उग्र होते हालात के बीच अब अमेरिका के खुफिया एजेंसियों का बड़ा दावा सामने आया है। दावा यह किया जा रहा है कि दोनों तरफ से बढ़ते हमलों के बीच अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने एक कोडेड संदेश पकड़ा है। इस संदेश को ईरान से भेजा गया बताया जा रहा है। अमेरिका के अधिकारियों का कहना है कि यह संदेश विदेशों में पहले से मौजूद स्लीपर सेल यानी छिपे हुए एजेंट को सक्रिय करने के लिए हो सकता है। बताया जा रहा है कि यह संदेश 28 फरवरी को आया। यह वही दिन था जब अमेरिका और इस्राइल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातल अली खामेनेई की मौत हो गई थी। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि इस समय ईरान और अमेरिका.इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया था। बता दें कि स्लीपर सेल वे गुप्त लोग होते हैं जो किसी देश के अंदर या बाहर पहले से रहते हैं। ये आम तौर पर शांत रहते हैं और किसी भी काम में नहीं आते। लेकिन अगर उन्हें कोई संकेत या आदेश मिलता है तो ये अचानक सक्रिय होकर कोई मिशन पूरा कर सकते हैं। खुफिया एजेंसियों के इन दावों के बाद अमेरिका ने सभी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे असामान्य रेडियो संकेतों और गतिविधियों पर नजर रखें। इसके साथ ही कुछ अमेरिकी शहरों जैसे लॉस एंजेलिस, न्यूयॉर्क और मियामी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ऐसे में सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह स्लीपर सेल सच में सक्रिय हुआ तो यह संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य देशों में हमलों का खतरा बढ़ा सकता है। लेकिन फिलहाल कोई भी जगह या लक्ष्य निश्चित नहीं है।

सोशल मीडिया पर ईरानी हमलों का मना रहे थे जश्न, बहरीन में पांच पाकिस्तानी और एक बांग्लादेशी गिरफ्तार

एजेंसी/पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बहरीन की सुरक्षा एजेंसियों ने सोशल मीडिया पर ईरान समर्थक पोस्ट और वीडियो साझा करने के आरोप में छह विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारियों में एक बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद इसराफिल मीर और पांच पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

क्या ईरान में स्कूल-रिहायशी इमारतों को निशाना बना रहा अमेरिका ? जानें किसने किया यह दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान के मध्य स्थित शहर खोमेयन में एक शैक्षणिक संस्थान पर अमेरिकी मिसाइल हमले की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह हमला डॉ. हाफिज खोमेइनी स्कूल पर हुआ। कतर आधारित मीडिया नेटवर्क अल जजीरा ने ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के हवाले से बताया कि विस्फोट से स्कूल के आसपास स्थित कई रिहायशी इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि अब तक किसी के हताहत होने की तत्काल पुष्टि नहीं हुई है। ईरान के गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में गई 170 लोगों की जान यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब हाल ही में दक्षिणी ईरानी शहर मिनाब में एक गर्ल्स स्कूल पर हुए कथित अमेरिकी मिसाइल हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

जांच की मांग उठ रही है। उस हमले में कम से कम 170 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें अधिकांश छात्राएं बताई गई थीं।

युद्ध खत्म करने को लेकर आईआरजीसी ने क्या कहा?

इसी बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (प्ळठ) ने सख्त बयान जारी करते हुए कहा कि अमेरिका या किसी अन्य देश को यह तय करने का अधिकार नहीं है कि युद्ध कब खत्म होगा। आईआरजीसी ने कहा कि युद्ध का अंत हम तय करेंगे और क्षेत्र का भविष्य अब हमारी सशस्त्र सेनाओं के हाथ में है। ईरान ने ट्रंप पर लगाए गंभीर आरोप ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह युद्ध की वास्तविक स्थिति छिपाने के लिए भ्रामक बयान दे रहे हैं। IRGC के प्रवक्ता ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य संसाधन ईरानी हमलों से बचने के लिए क्षेत्र से 1000 किलोमीटर से अधिक दूर हट गए हैं। उन्होंने यह भी तेहरान ने चेतावनी दी है कि अगर संघर्ष जारी रहा तो वह शत्रु देशों को क्षेत्र से एक लीटर तेल भी निर्यात नहीं होने देगा। यह बयान वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए गंभीर संकेत माना जा रहा है। ट्रंप ने ईरान को दी धमकी दूसरी ओर, ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कड़ा रुख दिखाते हुए कहा कि अगर ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति को बाधित करने की कोशिश की तो अमेरिका बीस गुना ज्यादा ताकत से जवाब देगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अमेरिका ऐसे लक्ष्यों को निशाना बना सकता है जिन्हें आसानी से नष्ट किया जा सकता है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक प्रयास भी तेज हुए हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को ट्रंप से फोन पर बातचीत कर क्षेत्रीय नेताओं और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से चर्चा के बाद तेज राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान के कुछ सुझाव दिए। उधर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि फ्रांस और उसके सहयोगी देश हॉर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रखने के लिए एक पूरी तरह रक्षात्मक मिशन की तैयारी कर रहे हैं। यह जलमार्ग बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का परिवहन इसी रास्ते से होता है।

`अब कूटनीति की कोई संभावना नहीं बची': यूएस से बातचीत पर ईरानी विदेश मंत्री की दो टूक, ट्रंप को दिया सख्त संदेश

तेहरान, एजेंसी।पश्चिम एशिया में अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर लगातार हमले और ईरान की जवाबी कार्रवाई से संघर्ष गहराता जा रहा है। बीते ग्यारह दिनों से इलाके में तनाव चरम पर है और ईरान की तरफ से खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलों से हमला जारी है। इस बीच शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक रास्ते पर चर्चा की कोशिशें हुईं, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ फिर से वार्ता की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया। उनका कहना है कि अमेरिका के साथ पिछली बातचीत में भरोसा टूट चुका है और बार–बार हुए हमलों के कारण अब कूटनीति की कोई संभावना नहीं बची। अराघची ने एक न्यूज चौनल से बातचीत

के दौरान कहा कि ईरान ने पिछले साल जून में अमेरिका के साथ वार्ता की थी, लेकिन बातचीत के बीच ही उन पर हमला हुआ। अराघची ने आगे कहा कि इस साल भी अमेरिका ने आश्वासन दिया कि हमला नहीं होगा और परमाणु मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान निकाला जा सकेगा, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका ने आक्रमण किया। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका के साथ बातचीत उनकी प्राथमिकता में नहीं है। इस दौरान ईरान में हाल ही में नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के चयन को अराघची ने स्थिरता का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि नए नेता की नीतियां धीरे–धीरे सामने आएंगी। अराघची ने कहा कि अमेरिका और इस्राइल की त्वरित जीत की कोशिशें असफल रही हैं। उनका कहना था कि अमेरिका और इस्राइल सोच रहे थे कि कुछ दिनों में शासन परिवर्तन या तेज जीत हासिल कर लेंगे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। तेल की वैश्विक आपूर्ति और कीमतों में वृद्धि के लिए ईरान को दोष देने की बात पर अराघची ने कहा कि यह उनकी योजना नहीं है। तेल उत्पादन और परिवहन में बाधा अमेरिकी और इस्राइली हमलों के कारण हुई है। इसी वजह से होर्मुज जलसंधि में जहाज सुरक्षित नहीं महसूस कर रहे हैं। इंटरव्यू में अराघची ने मिनाब में लड़कियों के स्कूल पर हुए हमले में 170 से अधिक लोगों की मौत के लिए अमेरिका को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मिसाइल से यह हमला हुआ था। इसके साथ ही ईरान के सैन्य जवाब को उन्होंने आत्मरक्षा बताया। उन्होंने कहा कि यह युद्ध उनके ऊपर थोप दिया गया है और ईरान केवल अपने लोगों और संसाधनों की रक्षा कर रहा है। उन्होंने दोहराया कि ईरान अपने मिसाइल हमलों को तब तक जारी रखेगा जब तक जरूरत होगी और जब तक अपने लोगों और देश की रक्षा जरूरी होगी।

`अगर तेल रोका तो 20 गुना ज्यादा ताकत से करेंगे हमला', ट्रंप ने ईरान को दी नई धमकी, चीन से कही ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बेहद सख्त चेतावनी जारी की है। ट्रंप ने कहा है कि यदि ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली तेल आपूर्ति को रोकने या बाधित करने की कोशिश की, तो अमेरिका पहले से 20 गुना अधिक कठोर जवाबी कार्रवाई करेगा। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए अपने बयान में ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान तेल आपूर्ति को प्रभावित करता है, तो अमेरिका ऐसे सैन्य कदम उठाएगा जिससे ईरान की कई रणनीतिक क्षमताएं पूरी तरह खत्म हो सकती हैं। ट्रंप ने अपने संदेश में बेहद कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि अगर ईरान ने ऐसी कोई कार्रवाई की, तो उस पर ष्मौत, आग और तबाहीष् का कहर टूट सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसे लक्ष्यों को निशाना बना सकता है जिन्हें नष्ट करना आसान है और जिनसे ईरान की भविष्य में पुनर्निर्माण क्षमता भी गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। हालांकि ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि वह उम्मीद और प्रार्थना करते हैं कि ऐसी स्थिति कभी पैदा न हो। हॉर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्गों में से एक माना जाता है। खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाला बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचता है। दुनिया के कई बड़े ऊर्जा आयातक देश, विशेषकर एशियाई अर्थव्यवस्थाएं, इस मार्ग पर काफी हद तक निर्भर हैं। ऐसे में यदि यहां किसी प्रकार की बाधा आती है तो वैश्विक तेल बाजार और ऊर्जा सुरक्षा पर बड़ा असर पड़ सकता है। अपने बयान में ट्रंप ने कहा कि इस मार्ग की सुरक्षा को सुनिश्चित करना उन देशों के लिए भी महत्वपूर्ण है जो बड़े पैमाने पर इस रास्ते से तेल आयात करते हैं। उन्होंने इसे अमेरिका की ओर से उन देशों के लिए एक तरह का उपहार बताया जो हॉर्मुज जलडमरूमध्य का भारी उपयोग करते हैं, जिनमें चीन भी शामिल है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। उनके अनुसार यदि यह अभियान नहीं चलाया गया होता तो ईरान के पास परमाणु हथियार बनने की पूरी संभावना थी। ट्रंप ने कहा कि इस कार्रवाई से क्षेत्र में एक बड़े खतरे को टाल दिया गया है।

मिनाब स्कूल धमाका: जांच में टॉमहॉक मिसाइल के इस्तेमाल का संकेत, ट्रंप और ईरान ने जड़े एक दूसरे पर आरोप

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन–प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब ग्यारहवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। ऐसे में उग्र होते हालात के बीच बीते दिनों ईरान के मिनाब शहर में हुए एक भीषण धमाके को लेकर नई जानकारी सामने आई है। जांच करने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि यह हमला संभवतः अमेरिका की टॉमहॉक क्रूज मिसाइल से किया गया था। यह धमाका एक स्कूल के पास हमला हुआ, जिसमें 165 से अधिक मासूम बच्चियों की मौत हो गई थी। बता दें कि यह घटना 28 फरवरी को ईरान के दक्षिणी होर्मोज्गान प्रांत के शहर मिनाब में हुई। यहां एक स्कूल के पास जोरदार विस्फोट हुआ था। यह स्कूल इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के एक सैन्य अड्डे के बिल्कुल पास स्थित है। जहां एक ओर इस हमले के चलते दुनियाभर में हलचल तेज हो गई थी। वहीं दूसरी ओर जांच करने वाली संस्था बेलिंगकैट ने एक नया वीडियो विश्लेषित किया है। यह वीडियो उसी दिन रिकॉर्ड किया गया था जब हमला हुआ था, लेकिन इसे बाद में ईरान की समाचार एजेंसी मेहर समाचार एजेंसी ने जारी किया। वीडियो में एक मिसाइल इमारत से टकराती दिखाई देती है और उसके बाद आसमान में काला धुआं उठता नजर आता है। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले में कहा कि उनके अनुसार यह हमला ईरान ने खुद किया होगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान के पास भी टॉमहॉक मिसाइल हो सकती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि ईरान के पास यह मिसाइल है। टॉमहॉक मिसाइल अमेरिकी रक्षा कंपनी रेथियॉन बनाती है और इसे जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे कुछ सहयोगी देशों को ही बेचा जाता है। जब पत्रकारों ने पूछा कि उनके प्रशासन में सिर्फ वही ऐसा क्यों कह रहे हैं, तो ट्रंप ने जवाब दिया कि उन्हें इस मामले की पूरी जानकारी नहीं है और जो भी आधिकारिक रिपोर्ट आएगी, वह उसे मान लेंगे। समाचार एजेंसी एपी ने इस वीडियो की लोकेशन की जांच की और पाया कि यह वीडियो स्कूल के पास ही रिकॉर्ड किया गया था। सैटेलाइट तस्वीरों और वीडियो में दिख रहे बिजली के खंभे, इमारत और गाड़ियों से इसकी पुष्टि होती है। इसके साथ ही बेलिंगकैट के शोधकर्ता ने कहा कि वीडियो में दिखाई दे रही मिसाइल टॉमहॉक क्रूज मिसाइल जैसी लगती है। यह मिसाइल आमतौर पर अमेरिकी सेना इस्तेमाल करती है। अभी तक इस युद्ध में इसी मिसाइल का इस्तेमाल अमेरिका द्वारा किए जाने की बात सामने आई है।

क्यों युद्ध में भी सुरक्षित ईरान का काला खजाना?: चीन से कनेक्शन, फिर भी इस्राइल-अमेरिका नहीं बना रहे निशाना

एजेंसी/इस्राइल–अमेरिका के ईरान से युद्ध को अब 10 दिन हो चुके हैं। जहां इस्राइल और अमेरिका ने ईरान में तेहरान से लेकर करमनशाह और कौम से लेकर बंदर अब्बास तक हमले

बोले हैं तो वहीं ईरान ने भी पलटवार करते हुए पश्चिम एशिया में उन सभी देशों को निशाना बनाया है, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। हालांकि, इस बीच ईरान के एक खास द्वीप की चर्चाएं तेज हो गई हैं। दरअसल, ईरान के इस द्वीप पर अब तक न तो इस्राइल ने और न ही अमेरिका ने हमला किया है, जबकि कूटनीतिक तौर पर इस द्वीप को ईरान की रीढ़ माना जाता है। कुछ विश्लेषकों का तो यहां तक कहना है कि अगर पश्चिमी देश ईरान को घुटनों पर लाना चाहते हैं तो वे इस एक श्खास द्वीपश को निशाना बनाकर उसकी लाइफलाइन पर सीधा वार कर सकते हैं।

ईरान के जो द्वीप इस वक्त चर्चा में है, उसका नाम है श्खर्गश। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस अहम द्वीप को अमेरिकी कब्जे में लेने की कोशिश कर सकते हैं। वह इसके लिए ईरान की धरती पर सेना भेजने पर भी विचार कर रहे हैं। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर यह खर्ग द्वीप क्या है, जिस पर अब तक युद्ध के दौरान एक बार भी हमला नहीं हुआ है? इस द्वीप का इतिहास क्या है? कैसे यह द्वीप ईरान की शक्ति का केंद्र बना हुआ है? इसका चीन से क्या कनेक्शन है? इस्राइल–अमेरिका की तरफ से इस पर हमला न करने की क्या वजह है? अगर इस द्वीप पर किसी तरह का वार किया जाता है तो इसका वैश्विक स्तर पर क्या असर हो सकता है?

ट्रंप का दावा- ईरान की सैन्य क्षमता खत्म, जल्द होगा युद्ध का अंत, IRGC ने दिया ये जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के पहले दो दिनों में ही ईरान की सैन्य क्षमता लगभग पूरी तरह खत्म कर दी गई। फ्लोरिडा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने इस सैन्य अभियान को बड़ी सफलता बताते हुए संकेत दिया कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका आगे भी कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई का समयसीमा तो स्पष्ट नहीं है, लेकिन ऑपरेशन जल्द खत्म होने की संभावना है। ट्रंप ने कहा कि ईरान की नौसेना, वायुसेना और एंटी–एयरक्राफ्ट सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। उनके अनुसार रडार, टेलीकम्युनिकेशन और सैन्य नेतृत्व की संरचना भी नष्ट कर दी गई है। उन्होंने कहा कि पहले दो दिनों में ही ईरान की सैन्य ताकत को खत्म कर दिया गया और यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।